गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

F.Y.B.A General Course (CBCS Syllabus)

स्नातकस्तरीय सी.बी.सी.एस् पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र - 1st Semester

CORE COURSE (CC) DSC 1A

CORE COURSE HNC 101

मध्यकालीन एवं आधुनिक हिंदी काव्य तथा व्याकरण **(4 Credits)**

(Madhyakaalin Evam Aadhunik Hindi Kavya Tatha Vyakaran)

Hours

30

हिंदी पद्य

कबीर	: 10 दोहे एवं 2 पद
तुलसीदास	: विनय पत्रिका के 2 पद
घनानंद	: 2 कवित्त
सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	: अधिवास, गहन है यह अंध:कारा
माखनलाल चतुर्वेदी	: जवानी, अमर निशानी, कैदी और कोकिला
गजानन माधव मुक्तिबोध	: एक फोड़ा दुखा, मीठा बेर
सुदामा पांडेय 'धूमिल'	: मुनासिब कार्रवाई, अकाल दर्शन
अरूण कमल	: मातृभूमि, पुतली में संसार
लीलाधर मंडलोई	: यह आदमी, आपत्ति
अनामिका	: बेजगह, वृद्धाएँ धरती का नमक हैं
बोधिसत्व	: कुछ दिन पहले, मेरा कुछ नहीं हो सकता

खण्ड काव्य : रामधारी सिंह 'दिनकर' - 'रश्मिरथी' 15

व्याकरण : शब्द के रूप, वर्तनी सुधार, संधि एवं संधि विच्छेद, विकारी एवं अविकारी शब्द 15

संदर्भ ग्रंथ

- लोकवादी तुलसीदास :विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, 1991
- संपादक रामविलास शर्मा : राग विराग, लोकभारती प्रकाशन, 1998
- धूमिल : संसद से सड़क तक, राजकमल प्रकाशन, 1992
- परमानंद श्रीवास्तव : समकालीन हिन्दी कविता : नए प्रस्थान, वाणी प्रकाशन
- रामविलास शर्मा : निराला की साहित्य साधना, राजकमल प्रकाशन, 1982
- कामता प्रसाद गुरू : हिंदी व्याकरण, हिन्दी मराठी प्रकाशन, नागपुर 2011

गोवा विश्वविद्यालय
हिंदी विभाग
F.Y. B.A. General Course (CBCS Syllabus)

स्नातकस्तरीय सी. बी. सी. एस्. पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र - 1st semester

Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)

Modern Indian Language Communication HNA 101

संप्रेषण कौशल (4 Credits)
(Sampreshan Kaushal)

Hours

1. हिंदी व्याकरण 15
   - अ. स्वर-व्यंजन : वर्गीकरण
   - आ. संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, लिंग, वचन, कारक
   - इ. शब्द-उच्चारण : ध्वनि गुण

2. भाषिक संप्रेषण : स्वरूप एवं प्रकार 15
   - अ. संप्रेषण : अवधारणा एवं महत्व
   - आ. संप्रेषण के प्रकार – मौखिक और लिखित, वैयक्तिक और सामाजिक, व्यावसायिक
   - इ. संप्रेषण की चुनौतियाँ

3. संप्रेषण के माध्यम – एकालाप, संवाद, सामूहिक चर्चा, दृश्य -श्रव्य 15
   (व्यावहारिक प्रयोग अपेक्षित है।)

4. प्रभावी संप्रेषण- गहन अध्ययन, कल्पनाशीलता, व्याख्यायित करना, चर्चा, विवेचन, विवाद, तर्कसंगत विश्लेषण, मूल्यांकन आदि के आधार पर निम्नलिखित कहानियों, कविताओं, फिल्मों का मूल्यांकन करना अनिवार्य है । 15

   कहानियाँ – चंद्रधर शर्मा गुलेरी - उसने कहा था
   यशपाल - फूलो का कुरता
   मन्नू भंडारी - यही सच है
   ओमप्रकाश वाल्मिकी - ग्रहण

   कविताएँ – नागार्जुन- प्रेत का बयान
   केदारनाथ सिंह - बनारस
   दुष्यंत कुमार - मै जिसे ओढ़ता - बिछाता हूँ ,
   केदारनाथ अग्रवाल - सब चलता है लोकतंत्र में

   फिल्म – एक कला फिल्म, एक व्यावसायिक फिल्म

संदर्भ ग्रंथ

- रवींद्रनाथ श्रीवास्तव : हिंदी का सामाजिक संदर्भ , केंद्रीय हिन्दी संस्थान , आगरा 1984
- वी. आर जगन्नाथ : प्रयोग और प्रयोग , ऑक्स्फर्ड विश्वविद्यालय प्रकाशन , दिल्ली , 1981
- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी : रचना का सरोकार , वाणी प्रकाशन 1987
- विद्यानिवास मिश्र : संप्रेषण और संप्रेषणात्मक व्याकरण , केंद्रीय हिन्दी संस्थान , आगरा 1988
- कामताप्रसाद गुरु : हिन्दी व्याकरण , हिन्दी मराठी प्रकाशन , नागपुर 2011

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

Programme : B.A. HINDI (G.E) SEMESTER- I

Course :Discipline Specific Core DSC HNG-101

Title of the Course : **हिंदी साहित्य का परिचय – I**

(Hindi sahitya Kaa Parichay)

No. of Credits : 4 (60 Hours)

Effective from Academic Year: 2019-2020

Prerequisites for the Course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	हिन्दी साहित्य का परिचयात्मक ज्ञान होना अपेक्षित है ।	Hours
Objectives(उद्देश्य)	• विद्यार्थियों में आधुनिक हिन्दी गद्य एवं काव्य के प्रति रुचि जागृत करना। • रचना के माध्यम से जीवन मूल्यों से परिचित कराना।	
Content (विषयवस्तु)	**1- कविताएं** सुमित्रानंदन पंत - चींटी को देखो , चंचल पग दीप शिखा-सी भवानी प्रसाद मिश्र- चार कौवे उर्फ चार हौवे, अक्कड़ मक्कड़ धूल में धक्कड़ गोपाल सिंह नेपाली - कुछ ऐसा खेल रचो साथी, मेरा धन है स्वाधीन कलम हरिवंशराय बच्चन - बीत गई सो बात गई, तुम अपने रंग में रंग लो तो होली है	30

	नरेंद्र शर्मा - स्वाभिमान, वर्षा मंगल	
	2-गद्य चंद्रधर शर्मा गुलेरी - सुखमय जीवन प्रेमचंद - गुल्ली डंडा भीष्म साहनी -चीफ की दावत महात्मा गांधी - सभ्य अंग्रेजी पोशाक में (सत्य के प्रयोग से) महावीर प्रसाद द्विवेदी - साहित्य की महत्ता हजारीप्रसाद द्विवेदी - फिर निराश क्यों हो, नाखून क्यों बढ़ते हैं हरिशंकर परसाई - निंदा रस, वैष्णव की फिसलन स्वयं प्रकाश - हमारी मन्नू जी	30
Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति	
Text आधार ग्रंथ	हिंदी की कविता एवं गद्य की पुस्तके	
References/ Readings (संदर्भ ग्रंथ)	संदर्भ-ग्रंथ सूची - नामवर सिंह : आधुनिक साहित्य की प्रवृतियां,	

	लोकभारती प्रकाशन इलाहबाद सं. १९९१ डॉ. नगेंद्र : आधुनिक हिंदी कविता की मुख्य प्रवृतियां, नेशनल पब्लिशिंग हाउस नई दिल्ली सं. १९७९ डॉ. नामवर सिंह: कहानी नई कहानी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद , सं.१९९२ गोपाल राय : हिंदी कहानी का इतिहास भाग - १,२,३ राजकमल प्रकाशन, दिल्ली विश्वनाथ त्रिपाठी : कुछ कहानियां कुछ विचार राजकमल प्रकाशन दिल्ली २०१५ मधुरेश : हिन्दी कहानी का विकास सुमित प्रकाशन इलाहबाद २०१४ राजेन्द्र यादव : कहानी : स्वरूप और संवेदना नेशनल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली १९९८	
learning outcome अधिगम परिणाम	• विद्यार्थियों को आधुनिक हिन्दी काव्य एवं गद्य के विकास क्रम की जानकारी प्राप्त हुई। • विद्यार्थी, रचना के माध्यम से जीवन मूल्यों से परिचित हुए।	

गोवा विश्वविद्यालय
हिंदी विभाग
F.Y. B.A. General Course (CBCS Syllabus)
स्नातकस्तरीय सी. बी. सी. एस्. पाठ्यक्रम
द्वितीय सत्र - 2nd Semester
Core Course (CC) DSC 1B
CORE COURCE HNC 102
आधुनिक हिंदी कथा साहित्य एवं व्याकरण (4 Credits)
(Aadhunik Hindi Katha Sahitya Evam Vyakaran)

	Hours
हिन्दी कहानी बंग महिला - दुलाई वाली प्रेमचंद - प्रायश्चित अज्ञेय - खितीन बाबू फणीश्वरनाथ रेणु – ठेस राजेन्द्र यादव - दायरा रामदरश मिश्र - एक औरत एक ज़िन्दगी मैत्रेयी पुष्पा - बेटी उदय प्रकाश - आचार्य की रजाई मोहनदास नैमिशराय - आवाज़ें जयश्री रॉय - आस्था कैलाश बनवासी - बाजार में रामधन	30
उपन्यास -ममता कालिया- 'दौड़'	15
व्याकरण : उपसर्ग, प्रत्यय, समास, विराम चिह्न , लोकोक्तिया और मुहावरे **संवाद लेखन**	15

संदर्भ ग्रंथ

- कामता प्रसाद गुरू : हिंदी व्याकरण , हिन्दी मराठी प्रकाशन , नागपुर 2011
- गोपाल राय : हिन्दी कहानी का इतिहास – भाग १ , भाग २ , राजकमल प्रकाशन , 2011
- डॉ. वेदप्रकाश अमिताभ : हिंदी कहानी के सौ वर्ष , मधुवन प्रकाशन , मथुरा, 1988
- डॉ. बदरीदास : हिंदी उपन्यास -पृष्ठभूमि और परंपरा , प्रकाशन ग्रंथ , रामबाग , कानपुर , 1966

गोवा विश्वविद्यालय
हिंदी विभाग
F.Y. B.A. General Course (CBCS Syllabus)

स्नातकस्तरीय सी. बी. सी. एस्. पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र - 2st semester

Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)

Modern Indian Language Communication HNA 101

संप्रेषण कौशल (4 Credits)
(Sampreshan Kaushal)

	Hours
1. हिंदी व्याकरण अ. स्वर-व्यंजन : वर्गीकरण आ. संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, लिंग, वचन, कारक इ. शब्द-उच्चारण : ध्वनि गुण	15
2. भाषिक संप्रेषण : स्वरूप एवं प्रकार अ. संप्रेषण : अवधारणा एवं महत्व आ. संप्रेषण के प्रकार – मौखिक और लिखित, वैयक्तिक और सामाजिक, व्यावसायिक इ. संप्रेषण की चुनौतियाँ	15
3. संप्रेषण के माध्यम – एकालाप, संवाद, सामूहिक चर्चा, दृश्य -श्रव्य (व्यावहारिक प्रयोग अपेक्षित है।)	15
4. प्रभावी संप्रेषण- गहन अध्ययन, कल्पनाशीलता, व्याख्यायित करना, चर्चा, विवेचन, विवाद, तर्कसंगत विश्लेषण, मूल्यांकन आदि के आधार पर निम्नलिखित कहानियों, कविताओं, फिल्मों का मूल्यांकन करना अनिवार्य है । कहानियाँ – चंद्रधर शर्मा गुलेरी - उसने कहा था यशपाल - फूलो का कुरता मन्नू भंडारी - यही सच है ओमप्रकाश वाल्मिकी - ग्रहण कविताएँ – नागार्जुन- प्रेत का बयान केदारनाथ सिंह - बनारस दुष्यंत कुमार - मै जिसे ओढ़ता - बिछाता हूँ , केदारनाथ अग्रवाल - सब चलता है लोकतंत्र में फिल्म – एक कला फिल्म, एक व्यावसायिक फिल्म	15

संदर्भ ग्रंथ

- रवींद्रनाथ श्रीवास्तव : हिंदी का सामाजिक संदर्भ , केंद्रीय हिन्दी संस्थान , आगरा 1984
- वी. आर जगन्नाथ : प्रयोग और प्रयोग , ऑक्स्फर्ड विश्वविद्यालय प्रकाशन , दिल्ली , 1981
- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी : रचना का सरोकार , वाणी प्रकाशन 1987
- विद्यानिवास मिश्र : संप्रेषण और संप्रेषणात्मक व्याकरण , केंद्रीय हिन्दी संस्थान , आगरा 1988
- कामताप्रसाद गुरु : हिन्दी व्याकरण , हिन्दी मराठी प्रकाशन , नागपुर 2011

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

Programme : B.A. HINDI (G.E.) SEMESTER- II

Course :Discipline Specific Core DSC HNG- 102

Title of the Course : **हिंदी साहित्य का परिचय – II**

(Hindi sahitya Kaa parichay II)

No. of Credits : 4 (60 Hours)

Effective from Academic Year: 2019-2020

Prerequisites for the Course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	हिन्दी साहित्य का परिचयात्मक ज्ञान होना अपेक्षित है ।	Hours
Objectives(उद्देश्य)	• विद्यार्थियों में आधुनिक हिन्दी गद्य एवं काव्य के प्रति रुचि जागृत कराना। • रचना के माध्यम से जीवन मूल्यों से परिचित कराना।	
Content (विषयवस्तु)	**1 – कविताएं** त्रिलोचन - परिचय की गांठ, बिल्ली के बच्चे अदम गोंडवी - जिस्म क्या है रूह तक , बेचता यूं ही नहीं है आदमी ईमान राजेश जोशी - बीसवीं सदी के अंतिम दिनों का एक आश्चर्य, रात तो किसी का घर नहीं वीरेन डंगवाल - हमारा समाज, हाथी कुंवर नारायण - कुछ ऐसे भी यह दुनिया जानी जाती है , तुमने देखा	30

	2 - गद्य अज्ञेय - मुस्लिम मुस्लिम भाई भाई मन्नू भंडारी - दो कलाकार काशीनाथ सिंह - बांस कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर - रात तकिया ऊंचा था, आप कितने विश्वसनीय है रामवृक्ष बेनीपुरी - सरजू भैया, गेहूं बनाम गुलाब शरद जोशी - जीप पर सवार इल्लियां, जादू की सरकार केदारनाथ सिंह - जेएनयू के नामवर सिंह	30
Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति	
Text आधार ग्रंथ	हिंदी कविता एवं गद्य की पुस्तकें	
References/ Readings (संदर्भ ग्रंथ)	संदर्भ-ग्रंथ सूची - नामवर सिंह : कविता के नए प्रतिमान, राजकमल	

	प्रकाशन, दिल्ली डॉ. नगेंद्र : आधुनिक हिंदी कविता की मुख्य प्रवृतियां, नेशनल पब्लिशिंग हाउस नई दिल्ली सं. १९७९ डॉ. हरदयाल - आधुनिक हिंदी कविता, शब्दकार दिल्ली सं. १९९३ गोपाल राय : हिंदी कविता का इतिहास, राजकमल प्रकाशन दिल्ली सं. २०१४ गोपाल राय : हिंदी कहानी का इतिहास भाग -२ राजकमल प्रकाशन दिल्ली सं. २०१४ विश्वनाथ त्रिपाठी : कहानी के साथ –साथ, वाणी प्रकाशन, दिल्ली सं.२०१६ विश्वनाथ त्रिपाठी : कुछ कहानियां कुछ विचार, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली २०१५ मधुरेश : हिन्दी कहानी का विकास, सुमित प्रकाशन इलाहबाद २०१४ राजेन्द्र यादव : कहानी : स्वरूप और संवेदना , नेशनल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली १९९८	
learning outcome अधिगम परिणाम	विद्यार्थियों को आधुनिक हिन्दी काव्य एवं गद्य के विकास क्रम की जानकारी प्राप्त हुई। विद्यार्थी रचना के माध्यम से जीवन मूल्यों से परिचित हुए।	

Annexure 3

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

S.Y. B.A. General Course (CBCS Syllabus)

स्नातक स्तरीय सी. बी. सी. एस्. पाठ्यक्रम

तृतीय सत्र 3rd Semester

Core Course (C) DSC 1C

HNC 103

हिंदी साहित्य का आदिकाल एवं मध्यकाल : परिचयात्मक अध्ययन (4 Credits)

(Hindi Sahitya Ka Aadikaal Evam Madyakaal: Parichayatmak Adhyayan)

हिंदी साहित्य का आदिकाल एवं मध्यकाल : परिचयात्मक अध्ययन	**Hours**
आदिकाल : परिचयात्मक **अध्ययन** (i) सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक परिवेश । (ii) आदिकालीन विभिन्न काव्यधाराओं का प्रवृत्तिगत परिचय (सिध्द, नाथ, जैन तथा रासो काव्य)	30
भक्तिकाल : परिचयात्मक **अध्ययन** (i) सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक परिवेश । (ii) भक्तिकालीन विभिन्न काव्यधाराओं का प्रवृत्तिगत परिचय अ. निर्गुण भक्तिकाव्य-संत काव्य एवं सूफी काव्य । ब. सगुण भक्तिकाव्य- रामभक्ति एवं कृष्णभक्ति काव्य।	
रीतिकाल : परिचयात्मक **अध्ययन** (i) सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक परिवेश । (ii) रीतिकालीन काव्यधाराएँ - रीतिबध्द एवं रीतिमुक्त काव्य ।	
• **निर्धारित कवि एवं चयनित रचनाएं** कुशल लाभ - ढोला मारु रा दूहा - 10 दोहे संपादक - डॉ॰ कृष्ण कुमार शर्मा (दोहा संख्या: 1, 4, 12, 17, 38, 64, 77, 83, 138, 305) रैदास - रैदास बानी - 5 पद संपादक - डॉ॰ शुकदेव सिंह (पद संख्या:6, 103, 128, 144, 194)	30

मलिक मुहम्मद जायसी - पद्मावत - 5 पद

(पद संख्या:बनिजारा खण्ड-9, प्रेम खण्ड-7, पद्मावती वियोगखण्ड-7, बसंत खण्ड-9, चित्तौर आगमन खण्ड- 5)

नाभादास - भक्तमाल - 5 पद

व्याख्याकार - श्री रामकृष्ण देव गर्ग

(पद संख्या: 4, 5, 41, 142, 370)

सूरदास - भ्रमरगीतसार सं॰ रामचन्द्र शुक्ल - 5 पद

(ऐसे भक्ति मोहे भावे, दरसन बिना तरसत मोरी,
बेर बेर नहीं आवे अवसर, मधुकर! स्याम हमारे चोर,
निरगुन कौन देश को वासी)

मीराबाई - मीरा ग्रंथावली, सं॰ कल्याणसिंह शेखावत - 5 पद

(पिय निन सूनो छै जी म्हारो देश, तुम सुणो जी म्हारो अरजी, मैं तो सांवरे के रंग राची, है मेरो मनमोहना आयो नहीं, मनवा राम- नाम - रस पीजै)

बोधा - फुटकल रचनाएँ - 5 पद

(काँपत गात सकात बतात, वह प्रीति की रीति को, कहिबे को व्यथा सुनिबे, कूर मिले मगसर मिले, कबहूँ मिलिबो, यह धीरज)

देव - रीतिकाव्य संग्रह - 5 पद

(जबते कुवर कान्ह रावरी, साहिब अंध, मुसाहिब मूक, पाँयनि नूपुर मंजू बजै, साँसन ही में समीर गयो, सुधाकर से मुख बानि सुधा)

संदर्भ - ग्रंथ

आ. रामचंद्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद 2002

आ॰हजारीप्रसाद द्विवेदी: हिंदी साहित्य: उद्भव एवं विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली,2015

डॉ॰ रामकुमार वर्मा : हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद, 2007

डॉ. नगेन्द्र : हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2016

सुमन राजे : हिंदी साहित्य का आधा इतिहास, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2003

नाभादास - भक्तमाल, श्री वियोगी विश्वेश्वर, निम्बकाचार्य पीठ (परशुरामपुरी सलेमाबाद राजस्थान)

ढोला मारू रा दूहा

१) पुगलि पिंगल राऊ, नल राजा नरवरे नयर
अदिठा दूरिठ्ठा ये, सगाई दईय संजोगे ।।१।।

२) नरवर नलराजा तणउ, ढोलउ कुंवर अनूप ।
गणि राउ पिंगल तणी, रीझी देखे रूप ।।४।।

३) जिम जिम मन अमले किअइ, तार चढती जाइ ।
तिम तिम मारवणा तणइ, तन तरणपउ थाइ ।।१२।।

४) थाह निहालइ, दिन गिणइ, मारू आसालुध्ध ।
परदेसे घाँघल घणा, विखउ न जाणइ मुध्ध ।।१७।।

५) पावस आयउ साहिबा, बोलर लागा मोर ।
कंता, तुं घरि आव नवि, जोबन कोभउ जोर ।।३८।।

६) उत्तर दिसि उपराठियाँ, दक्षिण सॉमहियॉह ।
कुरझाँ, एक सँदेसड़उ ढोलानइ कहियॉह ।।६४।।

७) सखियॉ राणीसं कहइ, मारू मनभांणी ।
साल्हकुंवर पासइ बिना पदमिणि कुंमलॉणा ।।७७।।

८) एक दिवस पगळ सहर, सउदागर आवंत ।
तिणपइ घोड़ा अति घणा, बेच्या लाख लवंत ।।८३।।

९) ढोला, ढीली हर किया, मंक्या मनह विसारि ।
संदेसउ हन पाठवइ, जीवॉ किसइ अधारि ।।१३८।।

१०हल्लउ हल्लउ मत करउ, हियड़इ साल म दह ।
जे साचे ई हल्लस्यउ, सूतॉ पल्लाँणेह ।।३०५।।

असो कछु अनभै कहत न आवै।
साहिब मेरौ मिलै तौ को बिगरावै।। टेक।।
सब में हरि हैं हरि में सब हैं, हरि आपनपौ जिनि जांनां।
अपनी आप साखि नहीं दूसर, जांननहार समांनां ।। 1 ।।
बाजीगर सूँ रहनि रही जै, बाजी का भरम इब जांनां।
बाजी झूठ साच बाजीगर, जानां मन पतियाना ।। 2 ।।
मन थिर होई तौ कांइ न सूझै, जांनैं जांनन हारा ।
कहै रैदास बिमल बसेक सुख, सहज सरुप संभारा ।। 3 ।।

असौ- ऐसे, अनभै- अनुभव, बिगरावै- बिलगावै, आपनपौ- अपनो, दूसर- दूसरा, समांनां- सयाना, इब- इबि न, पतियाना- परियांना, हारा- बूझै बूझनहारा, बसेक- बिबेक, बमेक, सहज- सहजि, संभारा- पिछांना

राग रामकली

तब रांम रांम कहि गावैगा।
ररंकार रहित सबहिन थैं, अंतरि मेल मिलावैगा।। टेक ।।
लोहा सम करि कंचन समि करि, भेद अभेद समावैगा ।
जो सुख कै पारस के परसें, सो सुख का कहि गावैगा ।। 1 ।।
गुर प्रसादि भई अनभै मति, विष अमृत समि धावैगा।
कहै रैदास मेटि आपा पर, तब वा ठौरहि पावैगा ।। 2 ।।

रांम- जब राम नाम, थैं-तैं, समावैगा- तब भेद अभेद समावेगा, गावैगा- सो सूख सहजै पावेगा,

राग रामकली

कांन्हा हो जगजीवन मोरा।
तू न बिसारीं रांम मैं जन तोरा।। टेक ।।
संकुट सोच पोच दिन राती, करम कठिन मेरी जाती कुभाती ।। 1 ।।
हरंहु बिपति भावै करहु कुभाव, चरन न छाडू जी सु जाव।
कहै रैदास कछु देऊ अवलंबन, बेगि मिलौ जनि करहु बिलंबन

कान्हां- रामा, कुभाती- कुजाती, करहु- करौ

राग आसावरी (आसा)

केसवे बिकट माया तोर
तार्थैं बिकल गति मति मोर ।। टेक ।।
सु विष डसन कराल अहि मुख, ग्रसित सुठल सु भेक ।
निरखि माखी कबै व्याकुल, लोभ काल न देख ।। 1 ।।
इन्द्रीयादिक दुख दारुन, अल्पसंख्यादिक पाप ।
तोहि भजत रघुनाथ अंतरि, ताहि त्रास न ताप ।। 2 ।।
प्रतंग्या प्रतिपाल चहुँ जुगि, भगति पुरवन कांम।
आस तोर भरोस है, रैदास जै जै राम ।। 3 ।।

तार्थैं- ताते, सुठल- सुढल

राग आसा

सु कछु बिचारयौ तार्थैं मेरौ मन थिर कै रह्यौ।
हरि रंग लागौ तार्थैं बरन पलट भयौ ।। टेक ।।
जिनि यहु पंथी पंथ चलावा, अगम गवन मैं गमि दिखलावा ।। 1 ।।
अबरन बरन कथैं जिनि कोई, घटि घटि ब्यापि रह्यौ हरि सोई ।। 2 ।।
जिहि पद सुर नर प्रेम पियासा, सो पद्म रमि रह्यौ जन रैदासा ।। 3 ।।

सोई- है सोई, रह्यौ- रह्या

पद्मावत

बनिजारा खण्ड

रतनसेनि हीरामनि चीन्हा । एक लाख बॉभन कहँ दीन्हा ।।
विप्र असीसा कीन्ह पयाना । सुआ सो राज मँदिर महँ आना ।।
बरनौं काह सुआ कै भाखा । धनि सो नाउं हीरामनि राखा ।।
जौं बोलै तौ मानिक मूँगा । नहिं तौ मौन बाँध होइ गूँगा ।।
जौ बोलै राजा मुख जोवा । जनहुँ मोति हिअ हार पिरोवा ।।
जनहुँ मारि मुख अंब्रित मेला । गुर होइ आपु कीन्ह चह चेला ।।
सुरुज चाँद कै कथ्या कहा । पेम क गहन लाइ चित्त रहा ।।
जो जो सुनै धुनै सिर राजा प्रीति क होइ अगाहु ।
अस गुनवंत नाहिं भल सुअटा बाउर करिहै काहु ।।१।।

प्रेम खण्ड

सुनि सो बात राजा मन जागा । पलक न मार पेम चित लागा ।।
नैनन्ह ढरहिं मोति औ मूँगा । जस गुर खाइ रहा होइ गूँगा ।
हिएँ की जोति दीप वह सूझा । यह जो दीप अँधिअर भा बूझा ।।
उलटि दिस्टि माया सौं रूठी । पलटि न फिरी जानि कै झूठी ।।
जौ पै नाहीं अस्थिर दशा । जग उजार का कीजै बसा ।।
गुरू बिरह चिनगी पै मेला । जो सुलगाइ लेइ सो चेला ।।
अब कै फनिग भृंगि कै करा । भँवर होउँ जेहि कारन जरा ।।
फूल फूल फिरि पूछौं जौं पहुँचौं ओहि केत ।
तन नेवछावर कै मिलौं ज्यों मधुकर जिउदेत ।।२।।

पद्मावती वियोग खण्ड

जब लगि अवधि चाह सो आई । दिन जुग बर बिरहनि कहँ जाई ।।
नींद भूख अह निसि गै दोऊ । हिएँ माझ जस कपिलै कोऊ ।।
रोवँहिं रोवँ लगे जनु चाँटे । सोतहि सोत बेधे बिख काँटे ।।
दगध कराह जरै सब जीऊ । बेगि न आउ मलैगिरि पीऊ ।।
कवन देव कहँ जाइ परसौं । जेहि सुमेरु हिय लाइ गरासौं ।।
गुपुत जो फल साँसहि परगटे । अब होइ सुभर चहहिं पुनि घटै ।।
भए सँजोग जौं रे अस मरना । भोगी भए भोग का करना ।।
जोबन चंचल ढीठ है करै निकाजहि काज ।
धनि कुलवंति जो कुल धरै करि जोवन महँ लाज ।।३।।

बसन्त खण्ड

पुनि बीनहिं सब फूल सहेली । जो जेहिं आस पास रह बेली ।।
कोइ केवरा कोइ चंप नेवारी । कोइ केतुकि मालति फूलवारी ।
कोइ सदबरग कुंद औ करनाँ । कोइ चंबेलि नागेसरि बरनाँ ।।
कोइ सो गुलाल सूदरसन कूजा । कोइ सोनजरद पाव भलि पूजा ।।
कोइ सिंगारहार तिन्ह पाहाँ । कोइ सेवती कदम की छाहाँ ।।
कोइ चंदन फूलन्ह जनु फूली । कोइ अजान बीरौ तर भूला ।।
कोइ फूल पांव कोइ पाती हाथ जेहि क जहँ ओट ।
कोइ सिउँ हार चीर अरुझानी जहाँ छुवै तहँ काँट ।।

चित्तौड आगमन खण्ड

बाजत गाजत राजा आवा । नगर चहूँ दिसि होइ बधावा ।।
बिहँसि आइ माता कहँ मिला । जनु रामहि भेंटै कौसिला ।।
साजे मंदिल बंदनवारा । औ बहु होइ मंगलचारा ।।
आवा पदुमावति का बेवानू । नागमती धिकि उठा सो भानु ।।
जनहुँ छाँह महँ धूप देखाई । तैस झार लागी जौं आई ।।
सहिं नहिं जाइ सौति कै झारा । दोसरे मंदिल दीन्ह उतरा ।।
भैं ऊहान चहुँ खंड बखानी । रतनसेनि पदमावति आनी ।।
पुहुप सुगंध संसार मनि, रूप बखानि न जाइ ।
हेम सेत औ गौर गाजना, जगत बात फिरि आइ ।।

सूरदास के पद

: 1 :

मन माने की बात

ऊधौ मन माने की बात।

दाख छुहारा छांडि अमृत फल विषकीरा विष खात॥

ज्यौं चकोर को देइ कपूर कोउ तजि अंगार अघात।

मधुप करत घर कोरि काठ मैं बंधत कमल के पात॥

ज्यौं पतंग हित जानि आपनौ दीपक सौं लपटात।

सूरदास जाकौ मन जासौं सोई ताहि सुहात॥

: 2 :

मधुकर! स्याम हमारे चोर।
मन हरि लियो सांवरी सूरत,चितै नयन की कोर।।
पकरयो तेहि हिरदय उर–अंतर प्रेम–प्रीत के जोर।
गए छुड़ाय छोरि सब बंधन दे गए हंसनि अंकोर।।
सोबत तें हम उचकी परी हैं दूत मिल्यो मोहिं भोर।
सूर,स्याम मुसकाहि मेरो सर्वस सै गए नंद किसोर।।

: 3 :

दरसन बिना तरसत मोरी अखियां ॥ध्रु०॥
तुमी पिया मोही छांड सीधारे फरकन लागी छतिया
द०॥१॥
बस्ति छाड उज्जड किनी व्याकुल भई सब सखियां
॥द०॥२॥
सूरदास कहे प्रभु तुमारे मिलनकूं ज्युजलंती मुख
बतिया ॥द०॥३॥

: 4 :

ऐसे भक्ति मोहे भावे उद्धवजी ऐसी भक्ति ।
सरवस त्याग मगन होय नाचे जनम करम गुन गावे ॥
ध्रु० ॥
कथनी कथे निरंतर मेरी चरन कमल चित लावे ॥
मुख मुरली नयन जलधारा करसे ताल बजावे ॥१॥
जहां जहां चरन देत जन मेरो सकल तिरथ चली आवे ।
।
उनके पद्‌रज अंग लगावे कोटी जनम सुख पावे ॥२॥
उन मुरति मेरे हृदय बसत है मोरी सूरत लगावें ।
बलि बलि जाऊं श्रीमुख बानी सूरदास बलि जावे ॥

: 5 :

निरगुन कौन देस को वासी।
मधुकर किह समुझाई सौंह दै, बूझतिं सांचि न हांसी।।
को है जनक, कौन है जननि, कौन नारि कौन दासी।
कैसे बरन भेष है कैसो, किहं रस मैं अभिलाषी।।
पावैगो पुनि कियौ आपनो, जो रे करेगौ गांसी।
सुनत मौन हवै रहयौ बावरो, सूर सबै मति नासी॥6॥

मीरा के पद

: 1 :

मैं तो सांवरे के रंग राची।
साजि सिंगार बांधि पग घुंघरू लोक-लाज तजि नाची॥

ग कुमति ल साधुकी संगति भगत रूप भै सांची।
गाय गाय हरिके गुण निस दिन कालब्यालसूं बांची॥

उण बिन सब जग खारो लागत और बात सब कांची।
मीरा श्रीगिरधरन लालसूं भगति रसीली जांची॥

: 2 :

तुम सुणौ दयाल म्हारी अरजी॥
भवसागर में बही जात हौं, काढ़ो तो थारी मरजी।
इण संसार सगो नहिं कोई, सांचा सगा रघुबरजी॥
मात पिता औ कुटुम कबीलो सब मतलब के गरजी।
मीरा की प्रभु अरजी सुण लो चरण लगाओ थारी मरजी॥

: 3 :

पिय बिन सूनो छै जी म्हारो देस॥

ऐसो है कोई पिवकूं मिलावै, तन मन करूं सब पेस।
तेरे कारण बन बन डोलूं, कर जोगण को भेस॥

अवधि बदीती अजहूं न आए, पंडर हो गया केस।
रा के प्रभु कब र मिलोगे, तज दियो नगर नरेस॥

: 4 :

है मेरो मनमोहना, आयो नहीं सखी री॥
कैं कहुं काज किया संतन का, कै कहुं गैल भुलावना॥
कहा करूं कित जाऊं मेरी सजनी, लाग्यो है बिरह सतावना॥
मीरा दासी दरसण प्यासी, हरिचरणां चित लावना॥

: 5 :

राम-नाम-रस पीजै।

मनवा! राम-नाम-रस पीजै।

तजि कुसंग सतसंग बैठि नित, हरि-चर्चा सुणि लीजै।

काम क्रोध मद मोह लोभ कूं, चित से बाहय दीजै।

मीरा के प्रभु गिरधर नागर, ता के रंग में भीजै।

कवि बोधा की फुटकल रचनाएँ

: 1 :

कांपत गौंत सकात बता है सांकरी खोरि निशा अंधियारी।
पातहू के खरके छरकै उर लाय रहै सुकुमारी।
बीच मे बोधा रचे रस रीति मनौ जग जीति चुक्यो तेहि बारी।
यो दुरि केलि करै जग में नर धन्य वहै धनि है वह नारी।

: 2 :

वह प्रीति की रीति को जानत थो, तबहीं तो बच्यो गिरि ढाहन तै।
गजराज चिकारि कै प्रान तज्यो, न जरयो सँग होलिका दाहन है।
कवि बोधा कछू न अनोखी यहै, का बने नहीं प्रीति निबाहन तै।
प्रल्हाद की ऐसी प्रतीति करै, तब क्यों न प्रभु पाहन तै।

: 3 :

कहिबे को व्यथा सुनिबे को हँसी, को दया सुनि कै उर आनतु है।
अरु पीर घटै तजि धीर सखी, दु:ख को नहीं का पै बखानतु है।
कवि बोधा कहै में सवाद कहा, को हमारी कही पुनि मानतु है।
हमै पूरी लगी कै अधूरी लगी, यह जीव हमारोई जानतु है।

: 4 :

कूर मिले मगरूर मिले , रनसूर मिले धरे सूर प्रभा को।
ज्ञानी मिले औ गुमानी मिले, सनमानी मिले छबिदार पता को।

राजा मिले अरु रंक मिले, कवि बोधा मिले निरसंक महा को।
और अनेक मिले तौ कहा, नर सो न मिल्यो मन चाहत जा को।

: 5 :

कबहूँ मिलिबो यह धीरज ही मैं धरैबो करै।
उर ते कढ़ी आवै गरै ते फिरै, मनहीं मैं सिरैबो करै।
'कवि बोधा' न चाउसरी कबहूँ, नित की हरवा सो हिरैबो करै।
सहते ही बनै, कहते न बनै, मन ही मन पीर पिरैबो करै।

देव के पद

: 1 :

पाँयनि नूपुर मंजू बजैं,कटि किंकिनि कै धुनि की मधुराई।
सांवरे अंग लसैं पट पीत,हिय हुलसैं बनमाल सुहाई।
माथे किरीट बड़े दृग चंचल,मंद हँसी मुख चन्द जुन्हाई।
जैं जग-मंदिर-दीपक सुंदर,श्रीबजदूलह 'देव'सहाई।

: 2 :

जबतें कुबर कान्ह रावरी कलानिधान कान परी वाके कहूँ सुजस कहानी सी।
तबहीं तें देव देखौं देवता सी हँसति सी खीझति सी रीझत सी रूसति रिसानी सी।
छोही सी छलि सी छीड़ लीनी सी छकी सी छीन जकी सी टकी सी लगी थकी थहरानी सी।
बीधी सी बँधी सी विष बूड़ी सी विमोहति सी बैठी वह बकति बिलोकति बिकानी सी।।

: 3 :

साहिब अंध, मुसाहिब मूक, सभा बहिरी, रँग रीझ को माच्यौ।
भूल्यो तहाँ भटक्यो घट औघट बूड़िबे को काहू कर्म न बाच्यौ।
भेष न सूझ्यो, कह्यो समुझ्यौ न, बतायो सुन्यो न, कहा रुचि राच्यौ।
'देव' तहाँ निबरे नट की बिगरी मति को सिगरी निसि नाच्यौ।।

: 4 :

सुधाकर से मुख बानि सुधा मुसकानि सुधा दरसैं रदपाँति ।
प्रवाल से पानि मृनाल भुजा कहि देव लता तन कोमल कान्ति ।
नदी त्रिवली कदली युग जानु सरोज से नैंन रहे रस माँति ।
छिनौं भरि ऐसी तिया बिछुरे छतिया सियराय कहौं केहि भाँति ।

: 5 :

साँसन ही में समीर गयो अरु आँसुन ही सब नीर गयो ढरि.
तेज गयो गुन ले अपनों अरु भूमि गई तनु की तनुता करि.
'देव'जिये मिलिबेइ की आस कै,आसहु पास अकास रह्यो भरि.
जा दिन तें मुख फेरि हरैं हँसि हेरि हियो जु लियो हरि जू हरि.

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

S.Y. B.A. General Course (CBCS Syllabus)

स्नातक स्तरीय सी. बी. सी. एस्. पाठ्यक्रम

तृतीय सत्र – 3rd Semester

HGC-101

आधुनिक हिंदी गद्य की इतर विधाएँ **(4 Credits)**

(Aadhunik Hindi Gadhya Ki Itar Vidhayein)

	Hours
विष्णु प्रभाकर- 'आवारा मसीहा' (जीवनी) राजपाल प्रकाशन, दिल्ली।	15
अनिल यादव: 'वह भी कोई देश है महाराज' (यात्रा वृतांत) परिदृश्य प्रकाशन अंतिका प्रकाशन, गाजियाबाद, उ॰ प्र॰।	15
महादेवी वर्मा: 'पथ के साथी' (संस्मरण) (०५ संस्मरण) लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।	15
सुशीला टाकभौरे: 'शिकंजे का दर्द' (आत्मकथा) वाणी प्रकाशन, दिल्ली।	15

संदर्भ- ग्रंथ

- बच्चन सिंह : हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली , 2004
- मनोरमा शर्मा : संस्मरण और संस्मरणकार, आराधना ब्रदर्स, कानपुर
- कमलापति उपाध्याय : हिन्दी आत्मकथा साहित्य का शैलीगत अध्ययन, साहित्य रत्नालय
- रामस्वरुप चतुर्वेदी : गद्य विन्यास और विकास, लोकभारती प्रकाशन

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

S.Y. B.A. General Course (CBCS Syllabus)

स्नातकस्तरीय सी.बी.सी.एस पाठ्यक्रम

तृतीय सत्र - 3rd Semester

Elective : Generic (G)

HNG: 103

हिंदी साहित्य की विविध विधाएँ (4 credits)

(Hindi Sahitya Ki Vivdh Vidhayein)

	Hours
• मधुशाला **(काव्य)** - हरिवंशराय बच्चन राजपाल एण्ड संस	15
• सूरज का सातवाँ घोड़ा **(उपन्यास)** - धर्मवीर भारती नेशनल बुक ट्रस्ट	15
• जिंदगी और गुलाब के फूल **(कहानी संग्रह)** - ऊषा प्रियंवदा भारतीय ज्ञानपीठ	15
• ताजमहल का टेंडर **(नाटक)** - अजय शुक्ल राजकमल प्रकाशन, प्रकाशन संस्थान	15

संदर्भ -ग्रंथ

1. हिन्दी उपन्यास का इतिहास - गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन
2. कहानी नयी कहानी - नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली 1973
3. बच्चन : व्यक्तित्व और कृतित्व, जीवन जोशी, सन्मार्ग प्रकाशन
4. कवीश्री बच्चन : व्यक्ति और दर्शन, साहित्य भवन , इलाहाबाद
5. बच्चन : एक अध्ययन, ललित अरोरा, भारतीय ग्रंथ निकेतन
6. हरिवंशराय बच्चन - अजित कुमार, साहित्य अकादमी
7. धर्मवीर भारती की साहित्य साधना - पुष्पा भारती, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
8. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास - दशरथ ओझा, राजपाल प्रकाशन , दिल्ली 1984

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

स्नातकस्तरीय सी. बी. सी. एस्. पाठ्यक्रम

तृतीय सत्र

Skill Enhancement Course (SE)

HNS: 101

संभाषण कला

(4 Credits)

(Sambhasan Kala)

Hours

- संभाषण : अर्थ एवं विभिन्न रूप 15

  वार्तालाप, व्याख्यान,वाद विवाद,एकलाप, अवाचिक अभिव्यक्ति, जन संबोधन।

  जन संपर्क में वाक्कला की उपयोगिता।

  संभाषण कला के प्रमुख उपादान-यथेष्ट भाषा ज्ञान, मानक उच्चारण, सटीक प्रस्तुति, अन्तराल ध्वनि (वाल्यूम), वेग, लहजा (एक्सेण्ट)

- संभाषण कला के विभिन्न रूप 30

  उद्घोषणा कला, (अनाउन्सेमेंट), ,आँखों देखा हाल, (कमेन्ट्री), संचालन (एंकरिंग), वाचन कला, समाचार वाचन (रेडियो , टी.वी.), मंचीय वाचन (कविता, कहानी, व्यंग्य आदि)

  संभाषण कला का व्यावहारिक पक्ष।

- लोक प्रशासन, जनसम्पर्क एवं विपणन के 15

  विकास में संभाषण कला का योगदान।

- संवादी (कनवर्सेशनल लैंग्वेज) के रूप में हिन्दी की भाषिक संवेदना की विवेचना।

संदर्भ -ग्रंथ

सं॰ पंकज बिष्ट-भूपेन सिंह : मीडिया, बाजार और लोकतंत्र, अकादमिक प्रतिभा, दिल्ली

तेजपाल चौधरी : अच्छी हिंदी संभाषण और लेखन, हिन्दी बुक सेंटर

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

S.Y. B.A. General Course (CBCS Syllabus)

स्नातक स्तरीय सी. बी. सी. एस्. पाठ्यक्रम

चतुर्थ सत्र 4th Semester

Core Course (C) DSC 1D

HNC 104

आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य : परिचयात्मक अध्ययन

(1850 से 1960 तक) **(4 Credits)**

(Aadhunik Hindi Gadhya Sahitya: Parichayatmak Adhyayan)

(From 1850 to 1960)

हिन्दी गद्य विधाओं का परिचयात्मक अध्ययन	Hours
कहानी, उपन्यास, नाटक और निबंध विधाओं के विकास के विभिन्न चरण, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी प्रतिनिधि रचनाओं का उल्लेख	30
• **निर्धारित रचनाकार एवं रचनाएं**	30

कहानी - प्रेमचंद- 'नशा'
जयशंकर प्रसाद् - 'आकाशदीप'
मन्नू भंडारी - 'मैं हार गयी'
उपन्यास - यशपाल - 'मनुष्य के रूप'
नाटक - जगदीशचन्द्र माथुर - 'कोणार्क'
निबंध - प्रतापनारायण मिश्र - 'दाँत'
रामचंद्र शुक्ल- 'उत्साह'
हरिशंकर परसाई - 'मातादीन चाँद पर'

संदर्भ -ग्रंथ

डॉ॰ रामकुमार वर्मा : हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद , 2007

डॉ. नगेन्द्र : हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2016

सुमन राजे : हिंदी साहित्य का आधा इतिहास, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2003

बच्चन सिंह : साहित्यिक निबंध : आधुनिक दृष्टिकोण, वाणी प्रकाशन

गोवा विश्वविद्यालय
हिंदी विभाग
S.Y. B.A. General Course (CBCS Syllabus)
स्नातक स्तरीय सी. बी. सी. एस्. पाठ्यक्रम

चतुर्थ सत्र 4th Semester

HGC-102

आधुनिक हिंदी पद्य (4 Credits)

(Aadhunik Hindi Padya)

Hours

हिन्दी पद्य 30

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	: नए जमाने की मुकरी
निराला	: जल्द जल्द पैर बढ़ाओ,आओ, आओ!, राजे ने अपनी रखवाली की
सुभद्राकुमारी चौहान	: बिदाई, स्वदेश के प्रति
हरिवंशराय बच्चन	: गणतंत्र दिवस ,हिन्दू और मुसलमान
नागार्जुन	: सुबह-सुबह,शासन की बंदूक
केदारनाथअग्रवाल	: सिनेमाई संसार, लोगों का जीवन
दुष्यंतकुमार	: ग़ज़लें
धूमिल	: रोटी और संसद , बीस साल बाद
कात्यायनी	: रामधनी , हाकी खेलती लड़कियाँ
निर्मला पुतुल	: क्या तुम जानते हो, उतनी दूर मत ब्याहना बाबा!

सर्वेश्वरदयाल सक्सेना-प्रतिनिधि कविताएँ 30

1. नहीं नहीं प्रभु तुम से शक्ति नहीं माँगूंगा
2. माँ की याद
3. पोस्टमार्टम की रिपोर्ट
4. जूता- 1,2,3,4
5. देशगान
6. तुम्हारे साथ रहकर
7. सुर्ख हथेलियाँ
8. रसोई
9. अपनी बिटिया के लिए दो कविताएँ
10. गरीबा का गीत

संदर्भ- ग्रंथ

1. लीलाधर मंडलोई : कविता के सौ वर्ष, अकादमिक प्रतिभा, दिल्ली
2. नंदकिशोर नवल : समकालीन काव्य यात्रा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2014
3. नंदकिशोर नवल : कविता पहचान का संकट, भारतीय ज्ञानपीठ, 2006
4. ए अरविंदाक्षन : समकालीन हिन्दी कविता, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

S.Y. B.A. General Course (CBCS Syllabus)

स्नातकस्तरीय सी.बी. सी. एस. पाठ्यक्रम

चतुर्थ सत्र - 4th Semester

Elective : Generic (G)

HNG: 104

साहित्य और हिंदी सिनेमा

(4 Credits)

(Sahitya Aur Hindi Cinema)

	Hours
• हिंदी सिनेमा : उद्भव और विकास	15
• सिनेमा निर्माण की प्रक्रिया	15
• साहित्य और सिनेमा का अन्तःसंबंध	15
साहित्य-सिनेमाः रुपातंरण की चुनौतियाँ	15

अध्ययन के लिए

1.बंदिनी 2. 1084 की माँ 3. गोधूली 4. साहिब बीबी और गुलाम 5. उमराव जान (पुरानी) 6. एक चादर मैली सी 7. पिंजर 8. शतरंज के खिलाड़ी 9. तीसरी कसम 10. रजनीगंधा 11. आँधी 12. घरौंदा 13. भूमिका 14. रेनकोट 15. गाइड 16. हैदर

(उपरोक्त फिल्मों में से छह फिल्मों का अध्ययन अनिवार्य है ।)

संदर्भ-ग्रंथ

1. भारतीय सिने सिध्दांत - अनुपम ओझा, राधाकृष्ण प्रकाशन, 2009
2. सिनेमा कल आज और कल- विनोद भारव्दाज, हिंदी बुक सेंटर, 2006
3. सिनेमा के बारे में- जावेद अख्तर, राजकमल प्रकाशन, 2008
4. हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष- दिलचस्प (नारायण सिंह राजावत), भारतीय पुस्तक परिषद, 2009

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

S.Y. B.A. General Course (CBCS Syllabus)

स्नातकस्तरीय सी. बी. सी. एस्. पाठ्यक्रम

चतुर्थ सत्र 4th Semester

Skill Enhancement Course (SE)

HNS: 102

समाचार संकलन और लेखन (4 Credits)

(samachar sankalan aur lekhan)

Hours

- समाचार : अवधारणा, परिभाषा, बुनियादी तत्व, समाचार और संवाद, संरचना (घटक , समाचार मूल्य, समाचार के स्त्रोत। 15
- समाचार संग्रह-पद्धति और लेखन- प्रक्रिया : सिद्धान्त और मार्गदर्शक बातें । विकासशील और जनरुचि की दृष्टियाँ ।
- समाचार का वर्गिकरण । खोजी, व्याख्यात्मक, अनुवर्तन समाचार ।
- संवाददाता : भूमिका, अर्हता, श्रेणियाँ, प्रकार्य एवं व्यवहार- संहिता। 30
- रिपोर्टिंग के क्षेत्र और प्रकार : विधायिका, न्यायपालिका, मंत्रालय और प्रशासन, विदेश, रक्षा, राजनीति, अपराध और न्यायालय, दुर्घटना एवं नैसर्गिक आपदा, ग्रामीण, कृषि, विकास, अर्थ, एवं वाणिज्य, बैठके एवं सम्मेलन, संगोष्ठी, पत्रकार वार्ता, साहित्य एवं संस्कृति, विज्ञान, अनुसंधान एवं तकनीकी विषय, खेलकूद, पर्यावरण, मानवाधिकार और अन्य सामाजिक विषयों और क्षेत्रों से संबन्धित रिपोर्टिंग ।
- इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से प्राप्त समाचारों का पुनर्लेखन ।

- लीड : अर्थ, प्रकार, विशेषता, महत्व । 15
- शीर्षक : अर्थ, प्रकार, लिखने की कला महत्व ।
- रिपोर्टिंग : कला और विज्ञान के रूप में विश्लेषण, वस्तुपरकता और भाषा-शैली ।

संदर्भ-ग्रंथ

डॉ॰ सुरेश अग्रवाल : जनसंचार माध्यम, नमन प्रकाशन दिल्ली, 2005

हरिमोहन: समाचार, फीचर लेखन एवं संपादन कला, अकादमिक प्रतिभा, दिल्ली, 2003

एन सी पंत : मीडिया लेखन के सिद्धांत, जवाहर पुस्तकालय मथुरा, 2009

Annexure- 1

GOA UNIVERSITY

B.A. HINDI GENERAL PROGRAMME

CBCS SYLLABUS

Effective from Academic Year: 2019-2020

SEMESTER V

1. HNC 105----------Aadhunik Hindi Kavya Ka Itihaas
2. HND 101---------- Rachnatmak Lekhan
3. HND 102---------- Asmitamoolak Vimarsh

SEMESTER VI

1. HNC 108---------- Swatantryottar Hindi Gadya
2. HND 104----------Prayojanmoolak Hindi
3. HND 105----------Bhartiya Sahitya

A COMPULSORY PROJECT PAPER IN LIEU OF ONE OF THE DSE

Annexure-2

GOA UNIVERSITY

B.A. HINDI HONOURS PROGRAMME

CBCS SYLLABUS

Effective from Academic Year: 2019-2020

SEMESTER V

1. HNC 105----------Aadhunik Hindi Kavya Ka Itihaas
2. HNC 106----------Bhartiya Kavyashastra
3. HNC 107----------Hindi Bhasha ka Itihaas
4. HND 101---------- Rachnatmak Lekhan
5. HND 102---------- Asmitamoolak Vimarsh
6. HND 103---------- Sahitya Aur Hindi Cinema

SEMESTER VI

1. HNC 108----------Swatantryottar Hindi Gadya
2. HNC 109---------- Pashchatya Kavyashastra
3. HNC 110----------Hindi Vyakaran
4. HND 104---------- Prayojanmoolak Hindi
5. HND 105----------Bhartiya Sahitya
6. HND 106----------Rachanakar Ka Vishesh Adhyayan - Mohan Rakesh

A COMPULSORY PROJECT PAPER IN LIEU OF ONE OF THE DSE

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

Programme : B.A. HINDI (GENERAL) SEMESTER- V

Course :Discipline Specific Core DSC HNC- 105

Title of the Course : आधुनिक हिंदी काव्य का इतिहास

(Aadhunik Hindi Kavya Kaa Itihaas)

No. of Credits : 4 (60 Hours)

Effective from Academic Year: 2019-2020

Prerequisites for the Course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	हिन्दी भाषा एवं साहित्य का परिचयात्मक ज्ञान होना अपेक्षित है ।	Hours
Objectives(उद्देश्य)	• विद्यार्थियों को आधुनिक हिन्दी काव्य के विकास क्रम से अवगत कराना। • रचना के माध्यम से एक विशिष्ट रचनाकार की काव्य-दृष्टि से परिचित कराना।	
Content (विषयवस्तु)	**1 – आधुनिक हिंदी काव्य की पृष्ठभूमि** • आधुनिक काल की पूर्व-पीठिका (1757-1857) : राजनीतिक, सामाजिक, साहित्यिक परिवेश • नवजागरण एवं समाज-सुधार आंदोलन • आधुनिक काल का प्रारंभ और हिंदी कविता के ऐतिहासिक स्रोत	10
	2 - आधुनिक हिंदी काव्यः सामान्य प्रवृत्तियाँ • भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद,	20

	प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता	
	3 – प्रमुख हिंदी कविः सामान्य परिचय • भारतेन्दु हरिश्चन्द्र मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', महादेवी वर्मा, नागार्जुन, अज्ञेय, मुक्तिबोध, धूमिल, चंद्रकांत देवताले, अरूण कमल, राजेश जोशी, कात्यायनी	10
	4 - निर्धारित कवयित्रीः चयनित कविताएँ अनामिका – कवि ने कहा • कविताएं : स्त्रियाँ, फ़र्नीचर, मौसियाँ, सूली ऊपर सेज पिया की, चकमक पत्थर, डाक-टिकट, हरियाली है एक पत्ती का खो जाना, बम, पत्ता-पत्ता, बूटा बूटा, घुमंतू टेलीफोन, खुरदुरी हथेलियाँ, धोखा, बेरोजगार, अनुपस्थित, मोहल्ले की आयरन- बालाओं के गम, घूंघट के पट खोल रे, गालियाँ सुन लेने का शील, मरने की फुर्सत, दरवाजा, चुटपुटिया बटन	20

Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति	
Text आधार ग्रंथ	अनामिका – कवि ने कहा, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली 2011	
References/ Readings (संदर्भ ग्रंथ)	संदर्भ-ग्रंथ - रामचन्द्र शुक्ल : हिन्दी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी बच्चन सिंह : हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ,२०१७ नगेंद्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, २००० हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली, २०१७ वासुदेव सिंह : हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, संजय बुक सेंटर, वाराणसी नंदकिशोर नवल : समकालीन काव्य यात्रा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, २०१४ सं. लीलाधर मंडलोई : कविता के सौ बरस,	

	शिल्पायन प्रकाशन, नई दिल्ली,२००८ सं. अभिषेक कश्यप : अनामिका एक मूल्यांकन, सामयिक बुक्स, नई दिल्ली,२०१३ परमानंद श्रीवास्तव : कविता का अर्थात, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, २००८	
learning outcome अधिगम परिणाम	• विद्यार्थियों को आधुनिक हिन्दी काव्य के विकास क्रम की जानकारी प्राप्त हुई • विद्यार्थी, रचना के माध्यम से एक विशिष्ट रचनाकार की दृष्टि से परिचित हुए	

गोवा विश्वविद्यालय
हिंदी विभाग

Programme : B.A. HINDI (GENERAL) SEMESTER- V

Course :Discipline Specific Elective DSE HND- 101

Title of the Course : रचनात्मक लेखन

(Rachanatmak Lekhan)

No. of Credits : 4 (60 Hours)

Effective from Academic Year: 2019-2020

Prerequisites for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	विद्यार्थियों को हिंदी भाषा का ज्ञान होना तथा वाचन एवं लेखन में उनकी रुचि होना अपेक्षित है।	Hours
Objective उद्देश्य	पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में रचनात्मक लेखन-कौशल का विकास करना।	
Content विषयवस्तु	१.रचनात्मक लेखन- • अवधारणा एवं स्वरूप • रचनात्मक लेखन- विविध क्षेत्र जनसंचार माध्यम (प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रोनिक), लोकप्रिय संस्कृति आदि। • रचनात्मक लेखन के प्रकार – मौखिक-लिखित,गद्य-पद्य,कथात्मक-कथेतर,पाठ्य-नाट्य आदि।	15 Hours
	२. रचनात्मक लेखनः व्यावहारिक प्रयोग • कविता • गीत • कहानी • लघु नाटक • नुक्कड़ नाटक • यात्रा वृत्तांत • पुस्तक समीक्षा • साक्षात्कार • फीचर • विज्ञापन	30 Hours

	३. निबंध-लेखन • राजनीतिक • सामाजिक • सांस्कृतिक • साहित्यिक	10 Hours
	४. छंद एवं अलंकार • छंद – दोहा, चौपाई, कवित्त, सवैया , मुक्त छंद, गज़ल अलंकार- अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, मानवीकरण	05 Hours
Pedagogy अध्यापन विधियाँ	व्याख्यान,चर्चा, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतीकरण, व्यावहारिक प्रयोग, अध्ययन भ्रमण	
References/Readings संदर्भ ग्रंथ	राजेश जोशी- एक कवि की नोटबुक, राजकमल प्रकाशन, सं.2004 कुमार विमल(सं) - काव्य रचना प्रक्रिया, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी,पटना, सं.1974 डॉ.चंद्रप्रकाश मिश्र- मीडिया लेखन- सिद्धांत एवं व्यवहार, संजय प्रकाशन, दिल्ली,सं.2003 रमेश गौतम(सं)- रचनात्मक लेखन, भारतीय ज्ञानपीठ, सं.2016 डॉ.हरदेव बाहरी- व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण तथा रचना, लोकभारती प्रकाशन, सं.2002 डॉ.उमेश चन्द्र शुक्ल- हिन्दी व्याकरण-रस,छंद-अलंकार सहित, वाणी प्रकाशन,सं.2011 नंदकिशोर नवल (सं)- भारतीय साहित्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 2003.	
Learning Outcome अधिगम परिणाम	• विद्यार्थी रचनात्मक लेखन के विविध प्रकारों से परिचित होंगे। • उनमें रचनात्मक कौशल विकसित होगा।	

गोवा विश्वविद्यालय
हिंदी विभाग

Programme : B.A. HINDI (GENERAL) SEMESTER- V

Course :Discipline Specific Elective DSE HND- 102

Title of the Course : अस्मितामूलक विमर्श

(Asmitamoolak Vimarsh)

No. of Credits : 4 (60 Hours)

Effective from Academic Year: 2019-2020

Prerequisites for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	विद्यार्थियों को विभिन्न साहित्यिक विमर्शों का परिचयात्मक ज्ञान होना अपेक्षित है।	Hours
Objective उद्देश्य	प्रस्तुत पाठ्यक्रम से विद्यार्थी अस्मितामूलक विमर्शों की जानकारी प्राप्त करेंगे तथा इस क्षेत्र में उठ रहे प्रश्नों पर विचार कर सकेंगे।	
Content विषयवस्तु	१ .अस्मितामूलक विमर्श • अवधारणा, स्वरूप एवं महत्व • स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, आदिवासी विमर्श, किन्नर विमर्श, अल्पसंख्यक विमर्श, किसान विमर्श, पारिस्थितिकी विमर्श आदि।	15
	२. स्त्री विमर्श • प्रमुख रचनाकार- कृष्णा सोबती ,मृदुला गर्ग, प्रभा खेतान, चित्रा मुद्गल ,मैत्रेयी पुष्पा, अनामिका ,कात्यायनी, गीतांजली श्री। • विशेष अध्ययन- उपन्यास- प्रभा खेतान- छिन्नमस्ता	15
	३. दलित विमर्श • प्रमुख रचनाकार -ओमप्रकाश वाल्मीकि , मोहनदास नैमिशराय ,सूरजपाल चौहान , , जयप्रकाश कर्दम, तुलसीराम , सुशीला टाकभौरे, कौसल्या बैसंत्री, श्योराज सिंह बेचैन।	15

	• विशेष अध्ययन – आत्मकथा- सूरजपाल चौहान- तिरस्कृत	
	४. आदिवासी विमर्श • प्रमुख रचनाकार- रमणिका गुप्ता , भगवानदास मोरवाल, निर्मला पुतुल, तेजेंदर पाल ,हरिराम मीणा, रणेंद्र, महुआ माजी, शरणकुमार गोस्वामी। • विशेष अध्ययन- काव्य लोकप्रिय आदिवासी कविताएं - सं.वंदना टेटे 1.दुलाय चंद्र मुंडा- असम के भाइयों के लिए 2.तेसुला आओ- यह समय 3.ग्रेस कुजूर- प्रतीक्षा 4.वाहरु सोनवणे- दाग 5.रामदयाल मुंडा- वापसी 6.उज्ज्वला ज्योति- जंगली घास 7.महादेव टोप्पो- कविता को झारखंड घुमाना चाहता हूँ 8.इरोम चानू शर्मिला- एक मुबारक स्त्री 9.हरिराम मीणा- जारवा आदिवासी को स्वप्न में देखकर 10.कमल कुमार ताँती- सभ्यता के यात्री 11.निर्मला पुतुल- बाहामुनी 12.अनुज लुगुन- अघोषित उलगुलान 13.वंदना टेटे- डूबो के खिलाफ 14.जनार्दन गोंड- पत्थर और इंसान	15
Pedagogy अध्यापन विधियाँ	व्याख्यान, कथा-कथन, समस्या निर्मूलन, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति, प्रश्न-मंजुषा, समूह चर्चा, अध्ययन भ्रमण ।	

Text आधार ग्रंथ	• प्रभा खेतान-छिन्नमस्ता –- राजकमल प्रकाशन, दिल्ली I • सूरजपाल चौहान-तिरस्कृत-अनुभव प्रकाशन, गजियाबाद, सं.2006, • वंदना टेटे- लोकप्रिय आदिवासी कविताएं, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली- सं.2017 I	
References/Readings संदर्भ ग्रंथ	आशारानी व्होरा - भारतीय नारीः दशा और , ,दिल्ली ,हाऊस नेशनल पब्लिशिंग ,दिशा सं.1983 अनामिकाः स्त्री विमर्श का लोकपक्षः वाणी-प्रकाशननई दिल्ली ,सं.2012 जगदीश चतुर्वेदीस्त्री अस्मिता साहित्य और - ,आनंद प्रकाशन ,विचारधारासं.2001 रेखा कस्तवार स्त्री चिंतन की -चुनौतियाँ , ,राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली,सं.2002 डॉ.हरिनारायण ठाकुर-दलित साहित्य का समाजशास्त्र, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली,2009 ओमप्रकाश वाल्मीकि- दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली,सं.2001 बजरंग बिहारी तिवारी-दलित साहित्यःएक अंतर्यात्रा, नवारुण, गाज़ियाबाद,सं.2015 अभय कुमार दुबे (सं)- आधुनिकता के आइने में दलित, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.2008 रमणिका गुप्ता(सं), आदिवासी समाज और साहित्य, कल्याणी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली, सं.2015 हरिराम मीणा- आदिवासी दुनिया, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत, सं.2016	
Learning Outcome अधिगम परिणाम	विद्यार्थी अस्मितामूलक विमर्शों के विविध रूपों तथा उनसे जुड़े सवालों से परिचित होंगे ।	

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

Programme : B.A. HINDI (GENERAL) **SEMESTER- VI**

Course :Discipline Specific Core DSC HNC- 108

Title of the Course : स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य

(Swatantryottar Hindi Gadya)

No. of Credits : 4 (60 Hours)

Effective from Academic Year: 2019-2020

Prerequisites for the Course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	हिंदी साहित्य का परिचयात्मक ज्ञान होना अपेक्षित है।	Hours
Objectives(उद्देश्य)	प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य के विकास का अध्ययन करेंगे।	
Content (विषयवस्तु)	1. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य • युगीन परिवेश – राजनीतिक,सामाजिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक	10
	2. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानी • स्वरूप एवं प्रवृत्तियां • प्रमुख कहानीकारःसामान्य परिचय मोहन राकेश, कमलेश्वर, राजेंद्र यादव, महीप सिंह,फणीश्वरनाथ रेणु, मन्नू भंडारी, उदय प्रकाश, प्रियंवद, मैत्रेयी पुष्पा, ओमप्रकाश वाल्मीकि। • चयनित कहानियां : निर्मल वर्मा- परिंदे, कृष्णा सोबती- सिक्का बदल गया, भीष्म	16

	साहनी- गंगो का जाया	
	3.स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास • स्वरूप एवं प्रवृत्तियां • प्रमुख उपन्यासकारः सामान्य परिचय आ.हजारीप्रसाद द्विवेदी, यशपाल, अज्ञेय, भगवतीचरण वर्मा, फणीश्वरनाथ रेणु, श्रीलाल शुक्ल, मृदुला गर्ग, कृष्णा सोबती, विनोदकुमार शुक्ल, संजीव । • चयनित उपन्यास- चित्रा मुद्गल- गिलिगडु	17
	4.स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक • स्वरूप एवं प्रवृत्तियां • प्रमुख नाटककारः सामान्य परिचय जगदीशचंद्र माथुर, धर्मवीर भारती, लक्ष्मीनारायण लाल, मोहन राकेश, सुरेंद्र वर्मा, शंकर शेष,मणि मधुकर, हबीब तनवीर, स्वदेश दीपक, मीरा कांत चयनित नाटक – त्रिपुरारी शर्मा – अक्स पहेली	17
Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति आदि।	
Text आधार ग्रंथ	त्रिपुरारी शर्मा -अक्स पहेली, राजकमल प्रकाशन , 1984 चित्रा मुद्गल- गिलिगडु , सामयिक प्रकाशन , 2003	
References/ Readings (संदर्भ ग्रंथ)	संदर्भ-ग्रंथ - 1. गोपाल राय, हिंदी कहानी का इतिहास, भाग 2, राजकमल प्रकाशन,	

	दिल्ली,सं.2014 2. गोपाल राय, हिंदी कहानी का इतिहास, भाग 3, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, सं.2014 3. नामवर सिंह, कहानीःनई कहानी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली, सं.1973 4-डॉ.एन.मोहन(सं.) ,समकालीन हिंदी कहानी, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली, सं.2007 5-चंद्रकांत बांदिवडेकर, आधुनिक हिंदी उपन्यास-सृजन और आलोचना, नेशनल पब्लिकेशन हाउस, नई दिल्ली, सं.1985 6डॉ.गरिमा श्रीवास्तव, हिंदी उपन्यासों में बौद्धिक विमर्श, संजय प्रकाशन, दिल्ली, सं.1999. 7-डॉ. विवेक राय , समकालीन हिंदी उपन्यास , राजीव प्रकाशन , इलाहाबाद 8-डॉ. जयदेव तनेजा,समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच , तक्षशिला प्रकाशन , नयी दिल्ली 10-डॉ.जयदेव तनेजा,हिंदी नाटक : आज तक , तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली 11.गोविन्द चातक, हिंदी नाटकःइतिहास के सोपान, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.2002	
learning outcome अधिगम परिणाम	• विद्यार्थियों को स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य के विकास क्रम की जानकारी प्राप्त हुई । • रचनाओं के अध्ययन द्वारा रचनाकार की दृष्टि एवं सौंदर्य-विधान से परिचित हुए ।	

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

Programme : B.A. HINDI (GENERAL) SEMESTER- VI

Course :Discipline Specific Elective DSE HND- 104

Title of the Course : प्रयोजनमूलक हिंदी

(Prayojanmoolak Hindi)

No. of Credits : 4 (60 Hours)

Effective from Academic Year: 2019-2020

Prerequisites for the Course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	कार्यालयीन हिंदी का सामान्य ज्ञान अपेक्षित हैI	Hours
Objectives(उद्देश्य)	विद्यार्थियों को प्रयोजनमूलक हिंदी एवं कार्यालयीन हिंदी के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराना।	
Content (विषयवस्तु)	**1.प्रयोजनमूलक हिंदी** • परिभाषा,स्वरूप एवं निर्धारण के आधार • हिंदी वर्ण और शब्दों का मानक रूप • हिंदी भाषा के विविध रूपः राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषा, यांत्रिक भाषा आदि।	10hours
	2. कार्यालयीन हिंदी • आलेखन – स्वरूप, महत्व एवं प्रयोग - अधिसूचना - आदेश - परिपत्र -ज्ञापन	15 hours
	- ३**पत्रलेखन एवं पारिभाषिक शब्दावली-** • पत्रलेखन-	

	आवेदनपत्र- व्यावसायिकपत्र- संपादक के नाम पत्र निमंत्रण पत्र • पारिभाषिक शब्दावली शब्द 100)- सूची संलग्न है।(	20
	4. कंप्यूटर • परिचय , महत्व एवं प्रयोग • हिंदी टंकणः फोनेटिक एवं इनस्क्रिप्ट • इंटरनेट • हिंदी के प्रमुख पोर्टल एवं वेबसाईट • ई मेल एवं ब्लॉग	15
Pedagogy अध्यापन विधि	• व्याख्यान तथा चर्चा • पी.पी.टी.प्रस्तुति • दृश्य-श्रव्य माध्यमों का प्रयोग • तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण	
References /Readings संदर्भ ग्रंथ	1. डॉ.नरेश मिश्र, प्रयोजनमूलक हिंदी, राजपाल एंड सन्ज़, दिल्ली, सं.2013 2. डॉ.पी.लता, प्रयोजनमूलक हिंदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं.2015 3. डॉ.माधव सोनटक्के, प्रयोजनमूलक हिंदी, लोकभारती प्रकाशन, सं.2009 4. अंशुल वर्मा एवं ओंकार नाथ वर्मा, कार्यालय पद्धति एवं कम्प्यूटर प्रचालन, उपकार प्रकाशन, आगरा।	
Learning Outcome अधिगम परिणाम	प्रयोजनमूलक हिंदी, कार्यालयीन हिंदी एवं कंप्यूटर के व्यावहारिक प्रयोग से परिचित होंगे।	

अ) हिंदी पारिभाषिक अभिव्यक्तियाँ

1.Acceptance as required may please be furnished soon-. आवश्यक स्वीकृति कृपया शीघ्र भेजें

2.Advance permission is essential - अग्रिम अनुमति आवश्यक है

3.A revised memorandum is put up as desired.- यथावांछित संशोधित ज्ञापन प्रस्तुत है

4.Backward reference may be connected. - पिछला संदर्भ साथ दें

5.Circulate this information among all the employees.- यह सूचना सब कर्मचारियों को परिचालित करें

6.Detailed particulars may be furnished-- विस्तृत विवरण भेजा जाएँ

7.Enquiry has not been held in a proper manner- जाँच सही ढंग से नहीं की गई है

8.Following employees are confirmed- निम्नलिखित कर्मचारी स्थाई किए जाते हैं

9.Government considers it desirable that…. सरकार वांछनीय समझती है कि ….

10.Has applied to mutual transfer.- ..... से परस्पर तबादले के लिए आवेदन दिया है

11.I have been directed to inform you- मुझे निर्देश हुआ है कि मैं आपको सूचित करूं

12.Kindly acknowledge receipt--- कृपया पावती भेजें

13.Leave asked for may be sanctioned-मांगी गई छुट्टी मंजूर की जाए

14.Lowest quotations may be accepted.--- सबसे कम निर्ख स्वीकार कर लिया जाए

15Matter should be treated as most urgent-- मामला अति आवश्यक समझा जाना चाहिए

16.Notified for general information--- जनसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित

17.Objections have been dealt with-- आपत्तियों पर विचार कर लिया गया है 18.Personal attention is required ---वैयक्तिक ध्यान की आवश्यकता है

19.Quote regarding delegation of powers.-है प्राधिकार अर्पण संबंधी नियम बताएं

20.Relevant papers may please be put up- कृपया संबंधित कागज पत्र प्रस्तुत करें

21.Rough estimate of the expenditure.--प्रत्याशित व्यय का मोटा अनुमान

22.Subject is still under considaration-- -विषय अभी विचाराधीन है

23.This is not admissible under the rules under intimation to this office-नियमों के अधीन यह स्वीकार्य नहीं है

24.Usual rules would be applicable in the case. इस संबंध में सामान्य नियम लागू होंगे

25.Your view on the above subject is awaited. ऊपर दिए गए विषय पर आपके विचारों की प्रतीक्षा है

आ) हिंदी पारिभाषिक शब्दावली

1.Academic year—शिक्षा वर्ष

2.Addendum परिशिष्ट

3.Applicant- आवेदक

4.Bank Accounts बैंक खाता

5.Bonafide— वास्तविक, असली

6.Bureau—ब्यूरो, कार्यालय, केंद्र

7.Bail- जमानत

8.Cash certificate नकदी पत्र

9.Census जनगणना

10.Contents विषय सूची

11.Demand drafts मांग पत्र

.12.Disciplinary action -अनुशासनिक कार्यवाही

13..Daily allowance - दैनिक भत्ता

14.Executive Council -कार्यकारी परिषद

15.Enquiry office- पूछताछ कार्यालय

16.Economy अर्थव्यवस्था

17.Forwarding letter -अग्रेषण पत्र

18.Foreign exchange department विदेशी मुद्रा विनिमय विभाग

19.Finger print—अंगुलि छाप

20. Gazzetted officer -राजपत्रित अधिकारी

21. General Manager- महाप्रबंधक

22.Gross income- सकल आय

23.Government Nominee- सरकारी मनोनीत व्यक्ति

24.Handicraft- दस्तकारी , हस्तकला

25.Highway- राजपथ/ राजमार्ग/ जनपथ

26.Honorarium मानदेय

27. Identification- पहचान पत्र

28.Income tax - आयकर

29.Inward remittance section- आवक वित्त प्रेषण अनुभाग

30.Judicial- न्यायिक/ अदालती/ न्यायालयीक

31.Justification- औचित्य

32.Joint Chief Cashier - मुख्य संयुक्त रोकड़िया

33.Keyboard कुंजीपटल

34.Lateral- पार्श्विक

35.Ledger- खाता बही

36.Lumpsum- एकमुश्त

37.Maternity leave- प्रसूति अवकाश

38.Manual -नियम पुस्तक

39.Ministry of Steel and Mines -इस्पात और खाना मंत्रालय

40. No demand certificate- बेबाकी प्रमाणपत्र

41.Nasal- नासिक्य

42॰Noting and drafting-टिप्पणी और मसूदा लेखन

43.Notification— अधिसूचना

44.Ordinance-- अध्यादेश

45.Outward register-जावक रजिस्टर

46.Overtime- अतिरिक्त समय

47.Progress report -प्रगति कार्ड

48.Personal banking division- वैयक्तिक बैंकिंग विभाग

49.Prospectus -विवरण पत्रिका/ विवरणिका

50.Qualification -योग्यता अर्हता

51.Questionnaire -प्रश्नावली

52.Quotation- निर्ख ,कोटेशन, उद्धरण

53.Restricted- प्रतिबंधित,सीमित

54.Reimbursement-प्रतिपूर्ति

55.Recurring deposit accounts- आवर्ति जमा खाता

56Sanctioning authority-स्वीकृतिदाता पदाधिकारी

57.Statistic Section-सांख्यिकीय अनुभाग

58.Submission- प्रस्तुतिकरण

59.Savings bank accounts -बचत बैंक खाते

60.True copy –सही प्रतिलिपि

61.Taxation—कराधान

62.Through proper channel- उचित माध्यम से

63Unofficial अशासकीय

64Utilization उपभोग

65.Un-parliamentary -असंसदीय

66.Vice Chancellor - उपकुलपति

67.Vigilance commission- सतर्कता आयोग

68.Viva Voce- मौखिक परीक्षा

69.Working knowledge- कार्यसाधक ज्ञान

70.Withdrawal form- निकासी फार्म/प्रारूप

71.Waiting list—प्रतीक्षा सूची

72.Yield—उपज ,पैदावार

73.Yard---अहाता,गज,उत्पन्न,लाभ

74.Zebra crossing—ज़ेबरा पट्टी

75.Zonal office- क्षेत्रिय कार्यालय

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

Programme : B.A. HINDI (GENERAL) SEMESTER- VI

Course :Discipline Specific Elective DSE HND- 105

Title of the Course : भारतीय साहित्य

(Bhartiya Sahitya)

No. of Credits : 4 (60 Hours)

Effective from Academic Year: 2019-2020

Prerequisites for the Course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	भारतीय साहित्य में रुचि अपेक्षित है।	Hours
Objectives(उद्देश्य)	• भारतीय साहित्य की अवधारणा से परिचित कराना। • निर्धारित रचनाओं के अध्ययन द्वारा विद्यार्थियों को भारतीय साहित्य की मूल संवेदना से जोड़ना।	
Content (विषयवस्तु)	**भारतीय साहित्य** • अवधारणा, स्वरूप एवं विशेषताएँ । • भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।	05 Hours
	• भारतीय कहानियाँ – महाश्वेता देवी -भीषण युद्ध के बाद (बंगला) अमृता प्रीतम – न जाने कौन रंग रे (पंजाबी) हरिकृष्ण कौल – भुनमछली (कश्मीरी) किशोर जादव - आगन्तुक (गुजराती) जगन्नाथप्रसाद दास- सम्प्रदाय (उड़िया)	10 Hours

	• मलयालम उपन्यास तकषी शिवशंकर पिल्लै -चेम्मीन	15 Hours
	• मराठी कविताएँ कुसुमाग्रज- गरजो जयजयकार क्रांति का, दीपस्तम्भ, पृथ्वी का प्रेमगीत, नदी, कौन ,फेरीवाला, रीढ़ की हड्डी, अभिनेता, इस मिट्टी से,विशेषण	15 Hours
	• कन्नड नाटक गिरीश कर्नाड - नागमंडल	15 Hours
Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति आदि।	
Text आधार ग्रंथ	1) कुसुमाग्रज - इसी मिट्टी से- (सं) -भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली,सं.2003 2) तकषी शिवशंकर पिल्लै- चेम्मीन-साहित्य अकादमी , नई दिल्ली,सं.2000 3)डॉ.के.वनजा(सं) भारतीय कहानियाँ, राजपाल एण्ड सन्ज़, नई दिल्ली सं.2015 4)गिरीश कार्नाड- नागमंडल, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली,सं.2001	
References/ Readings (संदर्भ ग्रंथ)	1) डॉ.नगेंद्र,भारतीय साहित्य, प्रभात प्रकाशन, सं.2018 2) रामछबीला त्रिपाठी- भारतीय साहित्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.2014	

	3) मूलचंद गौतम(सं)-भारतीय साहित्य, राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली, सं.2009 4) डॉ.सियाराम तिवारी (सं.), भारतीय साहित्य की पहचान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.2015	
learning outcome अधिगम परिणाम	विद्यार्थी भारतीय साहित्य के स्वरूप एवं संवेदना को समझेंगे।	

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

Programme : B.A. HINDI (HONOURS) **SEMESTER- V**

Course :Discipline Specific Core DSC HNC- 105

Title of the Course : आधुनिक हिंदी काव्य का इतिहास

(Aadhunik Hindi Kavya Kaa Itihaas)

No. of Credits : 4 (60 Hours)

Effective from Academic Year: 2019-2020

Prerequisites for the Course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	हिन्दी भाषा एवं साहित्य का परिचयात्मक ज्ञान होना अपेक्षित है ।	Hours
Objectives(उद्देश्य)	• विद्यार्थियों को आधुनिक हिन्दी काव्य के विकास क्रम से अवगत कराना। • रचना के माध्यम से एक विशिष्ट रचनाकार की काव्य-दृष्टि से परिचित कराना।	
Content (विषयवस्तु)	**1 – आधुनिक हिंदी काव्य की पृष्ठभूमि** • आधुनिक काल की पूर्व-पीठिका (1757-1857) : राजनीतिक, सामाजिक, साहित्यिक परिवेश • नवजागरण एवं समाज-सुधार आंदोलन • आधुनिक काल का प्रारंभ और हिंदी कविता के ऐतिहासिक स्रोत	10 hours
	2 - आधुनिक हिंदी काव्यः सामान्य प्रवृत्तियाँ • भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद,	20 hours

	प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता	
	3 – प्रमुख हिंदी कविः सामान्य परिचय • भारतेन्दु हरिश्चन्द्र मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', महादेवी वर्मा, नागार्जुन, अज्ञेय, मुक्तिबोध, धूमिल, चंद्रकांत देवताले, अरूण कमल, राजेश जोशी, कात्यायनी	10 hours
	4 - निर्धारित कवयित्रीः चयनित कविताएँ अनामिका – कवि ने कहा • कविताएं : स्त्रियाँ, फ़र्नीचर, मौसियाँ, सूली ऊपर सेज पिया की, चकमक पत्थर, डाक-टिकट, हरियाली है एक पत्ती का खो जाना, बम, पत्ता-पत्ता, बूटा बूटा, घुमंतू टेलीफोन, खुरदुरी हथेलियाँ, धोखा, बेरोजगार, अनुपस्थित, मोहल्ले की आयरन- बालाओं के गम, घूंघट के पट खोल रे, गालियाँ सुन लेने का शील, मरने की फुर्सत, दरवाजा, चुटपुटिया बटन	20 hours

Prdagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति	
Text आधार ग्रंथ	अनामिका – कवि ने कहा, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली 2011	
References/ Readings (संदर्भ ग्रंथ)	संदर्भ-ग्रंथ - रामचन्द्र शुक्ल : हिन्दी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी बच्चन सिंह : हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ,२०१७ नगेंद्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, २००० हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली, २०१७ वासुदेव सिंह : हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, संजय बुक सेंटर, वाराणसी नंदकिशोर नवल : समकालीन काव्य यात्रा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, २०१४ सं. लीलाधर मंडलोई : कविता के सौ बरस,	

	शिल्पायन प्रकाशन, नई दिल्ली,२००८ सं. अभिषेक कश्यप : अनामिका एक मूल्यांकन, सामयिक बुक्स, नई दिल्ली,२०१३ परमानंद श्रीवास्तव : कविता का अर्थात, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, २००८	
learning outcome अधिगम परिणाम	• विद्यार्थियों को आधुनिक हिन्दी काव्य के विकास क्रम की जानकारी प्राप्त हुई • विद्यार्थी, रचना के माध्यम से एक विशिष्ट रचनाकार की दृष्टि से परिचित हुए	

गोवा विश्वविद्यालय
हिंदी विभाग

Programme : B.A. HINDI (HONOURS) **SEMESTER- V**

Course :Discipline Specific Core DSC HNC- 106

Title of the Course : भारतीय काव्यशास्त्र

(Bhartiya Kavyashastra)

No. of Credits : 4 (60 Hours)

Effective from Academic Year: 2020-2019

Prerequisites for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	भारतीय काव्यशास्त्र की परिचयात्मक जानकारी होना आवश्यक है।	Hours
Objective (उद्देश्य)	• विद्यार्थियों को भारतीय काव्यशास्त्र के विविध पहलुओं से परिचित कराना। • छात्रों को उच्चतर अध्ययन के लिए तैयार करना एवं उनमें काव्य/साहित्य के गहन अध्ययन के प्रति रुचि निर्माण करना।	
Content (विषयवस्तु)	**१. काव्यशास्त्र** • काव्य: अवधारणा एवं स्वरूप • काव्य हेतु एवं प्रयोजन • काव्य लक्षण • काव्य : भेद एवं विशेषताएं • काव्य:गुण एवं दोष • शब्द-शक्तियां	30 hours
	२. काव्य-सम्प्रदाय • रस • अलंकार • ध्वनि • रीति • वक्रोक्ति • औचित्य	15 hours

	३. रस • अवधारणा एवं स्वरूप • रस-निष्पत्ति सिद्धान्त • साधारणीकरण • रस के प्रकार	15 hours
Pedagogy अध्यापन विधियाँ	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, स्वाध्याय, संगोष्ठी, दृश्य श्रव्य प्रस्तुति-	
References/readings (संदर्भ - ग्रंथ)	भगीरथ मिश्रः काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, सं.1980 बाबू गुलाबरायः काव्य के रूप देशराजसिंह भाटीःभारतीय एवं पाश्चात काव्यशास्त्र सत्यदेव चौधरीःभारतीय काव्य शास्त्र सभापति मिश्रःभारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य साहित्य चिंतन, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं.2007 योगेंद्र प्रताप सिंहःभारतीय काव्य शास्त्र तारकनाथ बालीःभारतीय काव्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.2010	
Learning Outcome अधिगम परिणाम	भारतीय काव्यशास्त्र की मूल स्थापनाओं से परिचित होंगे।	

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

Programme : B.A. HINDI (HONOURS) **SEMESTER- V**

Course : Discipline Specific Core DSC HNC- 107

Title of the course : हिंदी भाषा का इतिहास

Hindi Bhasha Ka Itihas

No.of credits : 4 (60 Hours)

Effective from Academic Year : 2019-2020

Prerequisites for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	**हिंदी भाषा के प्रारंभिक स्वरूप का ज्ञान होना अपेक्षित है।**	**Hours**
Objective (उद्देश्य)	• प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भाषाशास्त्र, हिंदी भाषा एवं उसके विकास की जानकारी देना ।	
Content (विषयवस्तु)	१. भाषाशास्त्र •भाषा की अवधारणा, स्वरूप एवं विशेषताएँ •भाषा परिवर्तन के आंतरिक और बाह्य कारण	10
	२.हिंदी भाषा के विकास की पूर्वपीठिका •प्राचीन : वैदिक और लौकिक संस्कृत •मध्यकालीन आर्य भाषाएँ: पालि,प्राकृत,अपभ्रंश आदि के संदर्भ में •आधुनिक भारतीय आर्य और द्रविड़ भाषाएँ: बांग्ला,मराठी, कोंकणी, गुजराती, उड़िया,असमिया, पंजाबी, सिंधी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम	20
	३.हिंदी भाषा की बोलियाँ : स्वरूप एवं भेद पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, बिहारी हिंदी, राजस्थानी हिंदी, पहाड़ी हिंदी	10
	४.खड़ी बोली हिंदी :स्वरूप एवं महत्व हिंदुस्तानी, उर्दू ,दक्खिनी, खड़ीबोली, रेख़्ता,रेख़्ती,देहलवी	10
	५.हिंदी शब्द-समूह •भारतीय आर्य भाषाओं के शब्द •भारतीय अनार्य भाषाओं के शब्द •विदेशी भाषाओं के शब्द	10
Pedagogy (अध्यापन की	•व्याख्यान तथा विश्लेषण	

विधियाँ)	•संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण •स्वाध्याय •समूह चर्चा •दृश्य-श्रव्य माध्यमों/ संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग •अतिथि विद्वानों के व्याख्यान	
References/readings (संदर्भग्रंथ)	डॉ. श्याम सुंदर दास ; भाषा विज्ञान, जयपुर प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.2008 डॉ.तिवारी भोलानाथ ; हिंदी भाषा और नागरी लिपि, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं. 1995 डॉ. बाहरी हरदेव; हिंदी भाषा विकास और रूप; किताब महल, इलाहाबाद , सं.2008 डॉ. तिवारी उदय नारायण; हिंदी भाषा उद्भव और विकास, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद , सं.2007 मिश्र नरेश;भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा , संजय प्रकाशन, नई दिल्ली , सं.1990 डॉ.खान इशरत ; भाषा विज्ञान:प्रमुख आयाम, अमन प्रकाशन, रामबाग कानपुर, सं.1995 डॉ. महाजन गिरीश और डॉ. परदेशी भाऊ साहेब; भाषा विज्ञान एवं समाज भाषा विज्ञान, चद्रलोक प्रकाशन, कानपुर , सं.1990	
Learning Outcome अधिगम परिणाम	• विद्यार्थी भाषाशास्त्र की अवधारणाओं, हिंदी भाषा एवं उसके विकास को समझेंगे।	

गोवा विश्वविद्यालय
हिंदी विभाग

Programme : B.A. HINDI (HONOURS) SEMESTER- V

Course :Discipline Specific Elective DSE HND- 101

Title of the Course : रचनात्मक लेखन

(Rachanatmak Lekhan)

No. of Credits : 4 (60 Hours)

Effective from Academic Year: 2019-2020

Prerequisites for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	विद्यार्थियों को हिंदी भाषा का ज्ञान होना तथा वाचन एवं लेखन में उनकी रुचि होना अपेक्षित है।	Hours
Objective उद्देश्य	पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में रचनात्मक लेखन-कौशल का विकास करना।	
Content विषयवस्तु	१.रचनात्मक लेखन- • अवधारणा एवं स्वरूप • रचनात्मक लेखन- विविध क्षेत्र जनसंचार माध्यम (प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रोनिक), लोकप्रिय संस्कृति आदि। • रचनात्मक लेखन के प्रकार – मौखिक-लिखित,गद्य-पद्य,कथात्मक-कथेतर,पाठ्य-नाट्य आदि।	15 Hours
	२. रचनात्मक लेखनः व्यावहारिक प्रयोग • कविता • गीत • कहानी • लघु नाटक • नुक्कड़ नाटक • यात्रा वृत्तांत • पुस्तक समीक्षा • साक्षात्कार • फीचर • विज्ञापन	30 Hours

	३. निबंध-लेखन • राजनीतिक • सामाजिक • सांस्कृतिक • साहित्यिक	10 Hours
	४. छंद एवं अलंकार • छंद – दोहा, चौपाई, कवित्त, सवैया , मुक्त छंद, गज़ल अलंकार- अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, मानवीकरण	05 Hours
Pedagogy अध्यापन विधियाँ	व्याख्यान,चर्चा, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतीकरण, व्यावहारिक प्रयोग, अध्ययन भ्रमण	
References/Readings संदर्भ ग्रंथ	राजेश जोशी- एक कवि की नोटबुक, राजकमल प्रकाशन, सं.2004 कुमार विमल(सं) - काव्य रचना प्रक्रिया, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी,पटना, सं.1974 डॉ.चंद्रप्रकाश मिश्र- मीडिया लेखन- सिद्धांत एवं व्यवहार, संजय प्रकाशन, दिल्ली,सं.2003 रमेश गौतम(सं)- रचनात्मक लेखन, भारतीय ज्ञानपीठ, सं.2016 डॉ.हरदेव बाहरी- व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण तथा रचना, लोकभारती प्रकाशन, सं.2002 डॉ.उमेश चन्द्र शुक्ल- हिन्दी व्याकरण-रस,छंद-अलंकार सहित, वाणी प्रकाशन,सं.2011 नंदकिशोर नवल (सं)- भारतीय साहित्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 2003.	
Learning Outcome अधिगम परिणाम	• विद्यार्थी रचनात्मक लेखन के विविध प्रकारों से परिचित होंगे। • उनमें रचनात्मक कौशल विकसित होगा।	

गोवा विश्वविद्यालय
हिंदी विभाग

Programme : B.A. HINDI (HONOURS) SEMESTER- V

Course :Discipline Specific Elective DSE HND- 102

Title of the Course : अस्मितामूलक विमर्श

(Asmitamoolak Vimarsh)

No. of Credits : 4 (60 Hours)

Effective from Academic Year: 2019-2020

Prerequisites for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	विद्यार्थियों को विभिन्न साहित्यिक विमर्शों का परिचयात्मक ज्ञान होना अपेक्षित है।	Hours
Objective उद्देश्य	प्रस्तुत पाठ्यक्रम से विद्यार्थी अस्मितामूलक विमर्शों की जानकारी प्राप्त करेंगे तथा इस क्षेत्र में उठ रहे प्रश्नों पर विचार कर सकेंगे।	
Content विषयवस्तु	१ .अस्मितामूलक विमर्श • अवधारणा, स्वरूप एवं महत्व • स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, आदिवासी विमर्श, किन्नर विमर्श, अल्पसंख्यक विमर्श, किसान विमर्श, पारिस्थितिकी विमर्श आदि।	15
	२. स्त्री विमर्श • प्रमुख रचनाकार- कृष्णा सोबती ,मृदुला गर्ग, प्रभा खेतान, चित्रा मुद्गल ,मैत्रेयी पुष्पा, अनामिका ,कात्यायनी, गीतांजली श्री। • विशेष अध्ययन- उपन्यास- प्रभा खेतान- छिन्नमस्ता	15
	३. दलित विमर्श • प्रमुख रचनाकार -ओमप्रकाश वाल्मीकि , मोहनदास नैमिशराय ,सूरजपाल चौहान , , जयप्रकाश कर्दम, तुलसीराम , सुशीला टाकभौरे, कौसल्या बैसंत्री, श्योराज सिंह बेचैन।	15

	• विशेष अध्ययन – आत्मकथा- सूरजपाल चौहान- तिरस्कृत	
	४. आदिवासी विमर्श • प्रमुख रचनाकार- रमणिका गुप्ता , भगवानदास मोरवाल, निर्मला पुतुल, तेजेंदर पाल ,हरिराम मीणा, रणेंद्र, महुआ माजी, शरणकुमार गोस्वामी। • विशेष अध्ययन- काव्य लोकप्रिय आदिवासी कविताएं - सं.वंदना टेटे 1.दुलाय चंद्र मुंडा- असम के भाइयों के लिए 2.तेसुला आओ- यह समय 3.ग्रेस कुजूर- प्रतीक्षा 4.वाहरु सोनवणे- दाग 5.रामदयाल मुंडा- वापसी 6.उज्ज्वला ज्योति- जंगली घास 7.महादेव टोप्पो- कविता को झारखंड घुमाना चाहता हूँ 8.इरोम चानू शर्मिला- एक मुबारक स्त्री 9.हरिराम मीणा- जारवा आदिवासी को स्वप्न में देखकर 10.कमल कुमार ताँती- सभ्यता के यात्री 11.निर्मला पुतुल- बाहामुनी 12.अनुज लुगुन- अघोषित उलगुलान 13.वंदना टेटे- डूबो के खिलाफ 14.जनार्दन गोंड- पत्थर और इंसान	15
Pedagogy अध्यापन विधियाँ	व्याख्यान, कथा-कथन, समस्या निर्मूलन, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति, प्रश्न-मंजुषा, समूह चर्चा, अध्ययन भ्रमण ।	

Text आधार ग्रंथ	• प्रभा खेतान-छिन्नमस्ता –- राजकमल प्रकाशन, दिल्ली I • सूरजपाल चौहान-तिरस्कृत-अनुभव प्रकाशन, गजियाबाद, सं.2006, • वंदना टेटे- लोकप्रिय आदिवासी कविताएं, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली- सं.2017 I	
References/Readings संदर्भ ग्रंथ	आशारानी व्होरा - भारतीय नारीः दशा और , ,दिल्ली ,नेशनल पब्लिशिंग हाऊस ,दिशा सं.1983 अनामिकाः स्त्री विमर्श का लोकपक्षः वाणी-प्रकाशननई दिल्ली ,सं.2012 जगदीश चतुर्वेदीस्त्री अस्मिता साहित्य और - ,आनंद प्रकाशन ,विचारधारासं.2001 रेखा कस्तवार स्त्री चिंतन की -चुनौतियाँ , ,राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली,सं.2002 डॉ.हरिनारायण ठाकुर-दलित साहित्य का समाजशास्त्र, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली,2009 ओमप्रकाश वाल्मीकि- दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली,सं.2001 बजरंग बिहारी तिवारी-दलित साहित्यःएक अंतर्यात्रा, नवारुण, गाज़ियाबाद,सं.2015 अभय कुमार दुबे (सं)- आधुनिकता के आइने में दलित, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.2008 रमणिका गुप्ता(सं), आदिवासी समाज और साहित्य, कल्याणी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली, सं.2015 हरिराम मीणा- आदिवासी दुनिया, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत, सं.2016	
Learning Outcome अधिगम परिणाम	विद्यार्थी अस्मितामूलक विमर्शों के विविध रूपों तथा उनसे जुड़े सवालों से परिचित होंगे ।	

गोवा विश्वविद्यालय
हिंदी विभाग

Programme : B.A. HINDI (HONOURS) SEMESTER- V

Course :Discipline Specific Elective DSE HND- 103

Title of the Course : साहित्य और हिंदी सिनेमा

(Sahitya Aur Hindi Cinema)

No. of Credits : 4 (60 Hours)

Effective from Academic Year: 2019-2020

Prerequisites for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	हिंदी भाषा के ज्ञान के साथ, साहित्य-वाचन एवं सिनेमा में रुचि होना अपेक्षित है।	
Objective उद्देश्य	इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी सिनेमा विधा तथा साहित्य और सिनेमा के अंतःसंबंधों से परिचित होंगे । साहित्य के फिल्मांकन का व्यावहारिक अनुभव भी वे ले पायेंगे।	
Content विषयवस्तु	१.हिंदी सिनेमाः उद्भव और विकास • सिनेमा विधा का परिचय • हिंदी सिनेमा का प्रारंभ • हिंदी सिनेमा का विकास (साहित्यिक कृतियों पर आधारित फिल्मों का उल्लेख अपेक्षित) • सिनेमा से संबंधित तकनीकी शब्दावली	15 Hours
	२.सिनेमा निर्माण की प्रक्रिया • सिनेमा निर्माण के चरण कथा-विकास (विचार,कथा, पटकथा, संवाद) निर्माण-पूर्व निर्माण उत्तर- निर्माण वितरण एवं प्रदर्शन	10 Hours
	३.साहित्य और सिनेमा- अंतःसंबंध • साहित्य एवं सिनेमा- तुलनात्मक अध्ययन • सिनेमा में साहित्य- कथा, पटकथा,संवाद, गीत, फिल्म-समीक्षा • पाठ का दृश्य-श्रव्य माध्यम के लिए रूपांतरण • पाठ के दृश्य-श्रव्य रूपांतरण की चुनौतियाँ • पाठ पर आधारित पटकथा लेखन एवं लघु फिल्म-निर्माण का व्यावहारिक प्रयोग	15 Hours
	४. साहित्यिक कृतियों पर आधारित फिल्में 1) तीसरी कसम 2)शतरंज के खिलाड़ी 3) रजनीगंधा 4)उमराव जान (मुजफ्फर अली द्वारा निर्देशित) 5) घरौंदा 6)सूरज का सातवां घोड़ा (पाठ एवं फिल्म का तुलनात्मक अध्ययन अपेक्षित)	20 Hours

Pedagogy अध्यापन विधियाँ	व्याख्यान,चर्चा, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतीकरण, व्यावहारिक प्रयोग	
अध्ययन अधिगम	सिनेमा और साहित्य के अंतःसंबंधों को जान पायेंगे।	
References/Readings संदर्भ ग्रंथ	अनुपम ओझा- भारतीय सिने सिध्दांत, राधाकृष्ण प्रकाशन, सं.2009 असग़र वजाहत - व्यावहारिक निर्देशिका - पटकथा लेखन , राजकमल प्रकाशन, सं.2011 हरीश कुमार, सिनेमा और साहित्य- संजय प्रकाशन दिल्ली, सं.2010 विनोद भारद्वाज, सिनेमा कल, आज और कल ,वाणी प्रकाशन,सं. 2006 जावेद अख्तर, सिनेमा के बारे में , राजकमल प्रकाशन, सं.2008 मृत्यंजय (सं), सिनेमा के सौ वर्ष , शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली, सं. 2008 डॉ.रामदास नारायण तोंडे , हिंदी साहित्य और फिल्मांकन, लोकवाणी संस्थान, अशोक नगर, नई दिल्ली -93 ,सं.2016 विवेक दुबे, हिंदी साहित्य और सिनेमा , संजय प्रकाशन, नई दिल्ली,सं. 2009 प्रह्लाद अग्रवाल- हिंदी सिनेमा आदि से अनन्त, साहित्य भंडार, इलाहाबाद,सं.2014	
Learning Outcome अधिगम परिणाम	विद्यार्थी साहित्य एवं सिनेमा के अंतःसंबंधों को जानेंगे तथा पाठ के फिल्मांकन का व्यावहारिक अनुभव लेंगे।	

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

Programme : B.A. HINDI (HONOURS) **SEMESTER- VI**

Course :Discipline Specific Core DSC HNC- 108

Title of the Course : स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य

(Swatantryottar Hindi Gadya)

No. of Credits : 4 (60 Hours)

Effective from Academic Year: 2019-2020

Prerequisites for the Course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	हिंदी साहित्य का परिचयात्मक ज्ञान होना अपेक्षित है।	Hours
Objectives(उद्देश्य)	प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य के विकास का अध्ययन करेंगे।	
Content (विषयवस्तु)	1. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य • युगीन परिवेश – राजनीतिक,सामाजिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक	10
	2. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानी • स्वरूप एवं प्रवृत्तियां • प्रमुख कहानीकारःसामान्य परिचय मोहन राकेश, कमलेश्वर, राजेंद्र यादव, महीप सिंह,फणीश्वरनाथ रेणु, मन्नू भंडारी, उदय प्रकाश, प्रियंवद, मैत्रेयी पुष्पा, ओमप्रकाश वाल्मीकि। • चयनित कहानियां : निर्मल वर्मा- परिंदे, कृष्णा सोबती- सिक्का बदल गया, भीष्म	16

	साहनी- गंगो का जाया	
	3.स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास • स्वरूप एवं प्रवृत्तियां • प्रमुख उपन्यासकारः सामान्य परिचय आ.हजारीप्रसाद द्विवेदी, यशपाल, अज्ञेय, भगवतीचरण वर्मा, फणीश्वरनाथ रेणु, श्रीलाल शुक्ल, मृदुला गर्ग, कृष्णा सोबती, विनोदकुमार शुक्ल, संजीव । • चयनित उपन्यास- चित्रा मुद्गल- गिलिगडु	17
	4.स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक • स्वरूप एवं प्रवृत्तियां • प्रमुख नाटककारः सामान्य परिचय जगदीशचंद्र माथुर, धर्मवीर भारती, लक्ष्मीनारायण लाल, मोहन राकेश, सुरेंद्र वर्मा, शंकर शेष,मणि मधुकर, हबीब तनवीर, स्वदेश दीपक, मीरा कांत चयनित नाटक – त्रिपुरारी शर्मा – अक्स पहेली	17
Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति आदि।	
Text आधार ग्रंथ	त्रिपुरारी शर्मा -अक्स पहेली, राजकमल प्रकाशन , 1984 चित्रा मुद्गल- गिलिगडु , सामयिक प्रकाशन , 2003	
References/ Readings (संदर्भ ग्रंथ)	संदर्भ-ग्रंथ - 1. गोपाल राय, हिंदी कहानी का इतिहास, भाग 2, राजकमल प्रकाशन,	

	दिल्ली,सं.2014 2. गोपाल राय, हिंदी कहानी का इतिहास, भाग 3, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, सं.2014 3. नामवर सिंह, कहानीःनई कहानी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली, सं.1973 4-डॉ.एन.मोहन(सं.) ,समकालीन हिंदी कहानी, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली, सं.2007 5-चंद्रकांत बांदिवडेकर, आधुनिक हिंदी उपन्यास-सृजन और आलोचना, नेशनल पब्लिकेशन हाउस, नई दिल्ली, सं.1985 6डॉ.गरिमा श्रीवास्तव, हिंदी उपन्यासों में बौद्धिक विमर्श, संजय प्रकाशन, दिल्ली, सं.1999. 7-डॉ. विवेक राय , समकालीन हिंदी उपन्यास , राजीव प्रकाशन , इलाहाबाद 8-डॉ. जयदेव तनेजा,समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच , तक्षशिला प्रकाशन , नयी दिल्ली 10-डॉ.जयदेव तनेजा,हिंदी नाटक : आज तक , तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली 11.गोविन्द चातक, हिंदी नाटकःइतिहास के सोपान, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.2002	
learning outcome अधिगम परिणाम	• विद्यार्थियों को स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य के विकास क्रम की जानकारी प्राप्त हुई । • रचनाओं के अध्ययन द्वारा रचनाकार की दृष्टि एवं सौंदर्य-विधान से परिचित हुए ।	

गोवा विश्वविद्यालय
हिंदी विभाग

Programme : B.A. HINDI (HONOURS) SEMESTER- VI

Course :Discipline Specific Core DSC HNC- 109

Title of the Course : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

(Pashchatya Kavyashastra)

No. of Credits : 4 (60 Hours)

Effective from Academic Year: 2019-2020

Prerequisites for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परिचयात्मक जानकारी होना आवश्यक है।	Hours
Objective (उद्देश्य)	विद्यार्थी पाश्चात्य काव्यशास्त्र की अवधारणाओं से परिचित होंगे।	
Content (विषयवस्तु)	**१. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास** • उद्भव एवं विकास • प्रमुख पाश्चात्य विचारकः सामान्य परिचय	15
	2. प्रमुख सिद्धांतःसामान्य परिचय • अनुकरण • विरेचन • उदात्त	15

	3. सैद्धांतिक अवधारणाएं • स्वच्छंदतावाद • अभिव्यंजनावाद • निर्वैयक्तिकतावाद	15
	4. • **बिंब** • **प्रतीक** • **मिथक**	15
Learning Outcome अधिगम परिणाम	• पाश्चात्य काव्यशास्त्र की मूल स्थापनाओं से परिचित होंगे।	
Pedagogy अध्यापन विधियाँ	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, स्वाध्याय, संगोष्ठी, दृश्यश्रव्य - प्रस्तुति	
References/readings (संदर्भ - ग्रंथ)	भगीरथ मिश्रः काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, सं.1980 देशराजसिंह भाटीःभारतीय एवं पाश्चात काव्यशास्त्र सभापति मिश्रःभारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य साहित्य चिंतन, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं.2007 तारकनाथ बालीःपाश्चात्य काव्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.2010 निर्मला जैन, कुसुम बांठियाःपाश्चात्य साहित्य चिंतन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.2009 देवेंद्रनाथ शर्माःपाश्चात्य काव्यशास्त्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, सं.1984	

गोवा विश्वविद्यालय
हिंदी विभाग

Programme : B.A. HINDI (HONOURS) **SEMESTER- VI**

Course :Discipline Specific Core DSC HNC- 110

Title of the Course : हिंदी व्याकरण

(Hindi Vyakaran)

No. of Credits : 4 (60 Hours)

Effective from Academic Year: 2019-20

Prerequisits for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	हिंदी व्याकरण की सामान्य जानकारी होना अपेक्षित है।	Hours
Objective (उद्देश्य)	• विद्यार्थी हिंदी भाषा, लिपि, व्याकरण एवं शुद्ध वर्तनी का अध्ययन करेंगे ।	
Content (विषयवस्तु)	1. भाषा, लिपि और हिंदी की उत्पत्ति • भाषाः परिभाषा और स्वरूप • लिपिःअवधारणा, स्वरूप एवं प्रकार • हिंदी की उत्पत्ति	15
	2. मानक हिंदी वर्णमाला एवं अंक • वर्णों का उच्चारण और वर्गीकरण • हिंदी के संख्यावाचक शब्दों की एकरूपता • विराम चिह्नों का प्रयोग	10
	3. हिंदी व्याकरण • शब्द एवं पदः अवधारणा, स्वरूप एवं भेद • शब्दसाधनः वर्गीकरण,रूपांतर और व्युत्पत्ति	25

	• विकारी एवं अविकारी शब्द • वचन, लिंग एवं कारक • वाक्य संरचनाः स्वरूप एवं भेद • संधि और समास	
	4.हिंदी वर्तनी • वर्तनी का मानकीकरण • शुद्ध वर्तनी- अभ्यास	10
Learning Outcome अधिगम परिणाम	• हिंदी भाषा, लिपि, व्याकरण तथा मानक वर्तनी से परिचित होंगे।	
Pedagogy अध्यापन विधियाँ	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, स्वाध्याय, संगोष्ठी, दृश्यश्रव्य - प्रस्तुति	
References/readings (संदर्भ - ग्रंथ)	कामताप्रसाद गुरु- हिंदी व्याकरण, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली डॉ.हरदेव बाहरी, व्यावहारिक हिंदी व्याकरण, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं.1985 डॉ.वैंकट शर्माः व्यावहारिक हिंदी व्याकरण, मिनर्वा पब्लिकेशन, जोधपुर, सं,2013 रामचंद्र वर्माः अच्छी हिंदी – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद	

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

Programme : B.A. HINDI (HONOURS)

SEMESTER- VI

Course :Discipline Specific Elective DSE HND- 104

Title of the Course : प्रयोजनमूलक हिंदी

(Prayojanmoolak Hindi)

No. of Credits : 4 (60 Hours)

Effective from Academic Year: 2019-2020

Prerequisites for the Course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	कार्यालयीन हिंदी का सामान्य ज्ञान अपेक्षित है।	Hours
Objectives(उद्देश्य)	विद्यार्थियों को प्रयोजनमूलक हिंदी एवं कार्यालयीन हिंदी के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराना।	
Content (विषयवस्तु)	**1.प्रयोजनमूलक हिंदी** • परिभाषा,स्वरूप एवं निर्धारण के आधार • हिंदी वर्ण और शब्दों का मानक रूप • हिंदी भाषा के विविध रूपः राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषा, यांत्रिक भाषा आदि।	10hours
	2. कार्यालयीन हिंदी • आलेखन – स्वरूप, महत्व एवं प्रयोग - अधिसूचना - आदेश - परिपत्र -ज्ञापन	15 hours

	3 - **पत्र-लेखन एवं पारिभाषिक शब्दावली** • पत्र-लेखन आवेदन-पत्र व्यावसायिक-पत्र संपादक के नाम पत्र निमंत्रण पत्र • पारिभाषिक शब्दावली (100 शब्द- सूची संलग्न है।)	20
	4. कंप्यूटर • परिचय , महत्व एवं प्रयोग • हिंदी टंकणः फोनेटिक एवं इनस्क्रिप्ट • इंटरनेट • हिंदी के प्रमुख पोर्टल एवं वेबसाईट • ई मेल एवं ब्लॉग	15
Pedagogy अध्यापन विधि	• व्याख्यान तथा चर्चा • पी.पी.टी.प्रस्तुति • दृश्य-श्रव्य माध्यमों का प्रयोग • तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण	
References /Readings संदर्भ ग्रंथ	1. डॉ.नरेश मिश्र, प्रयोजनमूलक हिंदी, राजपाल एंड सन्ज़, दिल्ली, सं.2013 2. डॉ.पी.लता, प्रयोजनमूलक हिंदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं.2015 3. डॉ.माधव सोनटक्के, प्रयोजनमूलक हिंदी, लोकभारती प्रकाशन, सं.2009 4. अंशुल वर्मा एवं ओंकार नाथ वर्मा, कार्यालय पद्धति एवं कम्प्यूटर प्रचालन, उपकार प्रकाशन, आगरा।	
Learning Outcome अधिगम परिणाम	प्रयोजनमूलक हिंदी, कार्यालयीन हिंदी एवं कंप्यूटर के व्यावहारिक प्रयोग से परिचित होंगे।	

अ) हिंदी पारिभाषिक अभिव्यक्तियाँ

1.Acceptance as required may please be furnished soon-. आवश्यक स्वीकृति कृपया शीघ्र भेजें

2.Advance permission is essential - अग्रिम अनुमति आवश्यक है

3.A revised memorandum is put up as desired.- यथावांछित संशोधित ज्ञापन प्रस्तुत है

4.Backward reference may be connected. - पिछला संदर्भ साथ दें

5.Circulate this information among all the employees.- यह सूचना सब कर्मचारियों को परिचालित करें

6.Detailed particulars may be furnished-- विस्तृत विवरण भेजा जाएँ

7.Enquiry has not been held in a proper manner- जाँच सही ढंग से नहीं की गई है

8.Following employees are confirmed- निम्नलिखित कर्मचारी स्थाई किए जाते हैं

9.Government considers it desirable that…. सरकार वांछनीय समझती है कि ….

10.Has applied to mutual transfer.- ..... से परस्पर तबादले के लिए आवेदन दिया है

11.I have been directed to inform you- मुझे निर्देश हुआ है कि मैं आपको सूचित करूं

12.Kindly acknowledge receipt--- कृपया पावती भेजें

13.Leave asked for may be sanctioned-मांगी गई छुट्टी मंजूर की जाए

14.Lowest quotations may be accepted.--- सबसे कम निर्ख स्वीकार कर लिया जाए

15Matter should be treated as most urgent-- मामला अति आवश्यक समझा जाना चाहिए

16.Notified for general information--- जनसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित

17.Objections have been dealt with-- आपत्तियों पर विचार कर लिया गया है 18.Personal attention is required ---वैयक्तिक ध्यान की आवश्यकता है

19.Quote regarding delegation of powers.-है प्राधिकार अर्पण संबंधी नियम बताएं

20.Relevant papers may please be put up- कृपया संबंधित कागज पत्र प्रस्तुत करें

21.Rough estimate of the expenditure.--प्रत्याशित व्यय का मोटा अनुमान

22.Subject is still under considaration-- -विषय अभी विचाराधीन है

23.This is not admissible under the rules under intimation to this office-नियमों के अधीन यह स्वीकार्य नहीं है

24.Usual rules would be applicable in the case. इस संबंध में सामान्य नियम लागू होंगे

25.Your view on the above subject is awaited. ऊपर दिए गए विषय पर आपके विचारों की प्रतीक्षा है

आ) हिंदी पारिभाषिक शब्दावली

1.Academic year—शिक्षा वर्ष

2.Addendum परिशिष्ट

3.Applicant- आवेदक

4.Bank Accounts बैंक खाता

5.Bonafide— वास्तविक, असली

6.Bureau—ब्यूरो, कार्यालय, केंद्र

7.Bail- जमानत

8.Cash certificate नकदी पत्र

9.Census जनगणना

10.Contents विषय सूची

11.Demand drafts मांग पत्र

.12.Disciplinary action -अनुशासनिक कार्यवाही

13..Daily allowance - दैनिक भत्ता

14.Executive Council -कार्यकारी परिषद

15.Enquiry office- पूछताछ कार्यालय

16.Economy अर्थव्यवस्था

17.Forwarding letter -अग्रेषण पत्र

18.Foreign exchange department विदेशी मुद्रा विनिमय विभाग

19.Finger print—अंगुलि छाप

20. Gazzetted officer -राजपत्रित अधिकारी

21. General Manager- महाप्रबंधक

22.Gross income- सकल आय

23.Government Nominee- सरकारी मनोनीत व्यक्ति

24.Handicraft- दस्तकारी , हस्तकला

25.Highway- राजपथ/ राजमार्ग/ जनपथ

26.Honorarium मानदेय

27. Identification- पहचान पत्र

28.Income tax - आयकर

29.Inward remittance section- आवक वित्त प्रेषण अनुभाग

30.Judicial- न्यायिक/ अदालती/ न्यायालयीक

31.Justification- औचित्य

32.Joint Chief Cashier - मुख्य संयुक्त रोकड़िया

33.Keyboard कुंजीपटल

34.Lateral- पार्श्विक

35.Ledger- खाता बही

36.Lumpsum- एकमुश्त

37.Maternity leave- प्रसूति अवकाश

38.Manual -नियम पुस्तक

39.Ministry of Steel and Mines -इस्पात और खाना मंत्रालय

40. No demand certificate- बेबाकी प्रमाणपत्र

41.Nasal- नासिक्य

42◦Noting and drafting-टिप्पणी और मसूदा लेखन

43.Notification— अधिसूचना

44.Ordinance-- अध्यादेश

45.Outward register-जावक रजिस्टर

46.Overtime- अतिरिक्त समय

47.Progress report -प्रगति कार्ड

48.Personal banking division- वैयक्तिक बैंकिंग विभाग

49.Prospectus -विवरण पत्रिका/ विवरणिका

50.Qualification -योग्यता अर्हता

51.Questionnaire -प्रश्नावली

52.Quotation- निर्ख ,कोटेशन, उद्धरण

53.Restricted- प्रतिबंधित,सीमित

54.Reimbursement-प्रतिपूर्ति

55.Recurring deposit accounts- आवर्ति जमा खाता

56Sanctioning authority-स्वीकृतिदाता पदाधिकारी

57.Statistic Section-सांख्यिकीय अनुभाग

58.Submission- प्रस्तुतिकरण

59.Savings bank accounts -बचत बैंक खाते

60.True copy –सही प्रतिलिपि

61.Taxation—कराधान

62.Through proper channel- उचित माध्यम से

63Unofficial अशासकीय

64Utilization उपभोग

65.Un-parliamentary -असंसदीय

66.Vice Chancellor - उपकुलपति

67.Vigilance commission- सतर्कता आयोग

68.Viva Voce- मौखिक परीक्षा

69.Working knowledge- कार्यसाधक ज्ञान

70.Withdrawal form- निकासी फार्म/प्रारूप

71.Waiting list—प्रतीक्षा सूची

72.Yield—उपज ,पैदावार

73.Yard---अहाता,गज,उत्पन्न,लाभ

74.Zebra crossing—ज़ेबरा पट्टी

75.Zonal office- क्षेत्रिय कार्यालय

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

Programme : B.A. HINDI (HONOURS) SEMESTER- VI

Course :Discipline Specific Elective DSE HND- 105

Title of the Course : भारतीय साहित्य

(Bhartiya Sahitya)

No. of Credits : 4 (60 Hours)

Effective from Academic Year: 2019-2020

Prerequisites for the Course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	भारतीय साहित्य में रुचि अपेक्षित है।	Hours
Objectives(उद्देश्य)	• भारतीय साहित्य की अवधारणा से परिचित कराना। • निर्धारित रचनाओं के अध्ययन द्वारा विद्यार्थियों को भारतीय साहित्य की मूल संवेदना से जोड़ना।	
Content (विषयवस्तु)	**भारतीय साहित्य** • अवधारणा, स्वरूप एवं विशेषताएँ । • भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।	05 Hours
	• भारतीय कहानियाँ – महाश्वेता देवी -भीषण युद्ध के बाद (बंगला) अमृता प्रीतम – न जाने कौन रंग रे (पंजाबी) हरिकृष्ण कौल – भुनमछली (कश्मीरी) किशोर जादव - आगन्तुक (गुजराती) जगन्नाथप्रसाद दास- सम्प्रदाय (उड़िया)	10 Hours

	• मलयालम उपन्यास तकषी शिवशंकर पिल्लै -चेम्मीन	15 Hours
	• मराठी कविताएँ कुसुमाग्रज- गरजो जयजयकार क्रांति का, दीपस्तम्भ, पृथ्वी का प्रेमगीत, नदी, कौन ,फेरीवाला, रीढ़ की हड्डी, अभिनेता, इस मिट्टी से,विशेषण	15 Hours
	• कन्नड नाटक गिरीश कर्नाड - नागमंडल	15 Hours
Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति आदि।	
Text आधार ग्रंथ	1) कुसुमाग्रज - इसी मिट्टी से- (सं) -भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली,सं.2003 2) तकषी शिवशंकर पिल्लै- चेम्मीन-साहित्य अकादमी , नई दिल्ली,सं.2000 3)डॉ.के.वनजा(सं) भारतीय कहानियाँ, राजपाल एण्ड सन्ज़, नई दिल्ली सं.2015 4)गिरीश कार्नाड- नागमंडल, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली,सं.2001	
References/ Readings (संदर्भ ग्रंथ)	1) डॉ.नगेंद्र,भारतीय साहित्य, प्रभात प्रकाशन, सं.2018 2) रामछबीला त्रिपाठी- भारतीय साहित्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.2014	

	3) मूलचंद गौतम(सं)-भारतीय साहित्य, राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली, सं.2009 4) डॉ.सियाराम तिवारी (सं.), भारतीय साहित्य की पहचान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.2015	
learning outcome अधिगम परिणाम	विद्यार्थी भारतीय साहित्य के स्वरूप एवं संवेदना को समझेंगे।	

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

Programme : B.A. HINDI (HONOURS) SEMESTER- VI

Course :Discipline Specific Elective DSE HND- 106

Title of the Course : रचनाकार का विशेष अध्ययन – मोहन राकेश

(Rachanakar Ka Vishesh Adhyayan-

Mohan Rakesh)

No. of Credits : 4 (60 Hours)

Effective from Academic Year: 2019-2020

Prerequisites for the Course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	हिंदी भाषा एवं साहित्य में रुचि अपेक्षित है।	Hours
Objectives(उद्देश्य)	मोहन राकेश के जीवन एवं रचनात्मक अवदान से परिचित कराना ।	
Content (विषयवस्तु)	1. रचनाकार – मोहन राकेश • जीवन परिचय एवं परिवेश । • कृतियों का सामान्य परिचय एवं साहित्यिक दृष्टि ।	10
	2.मोहन राकेश, आषाढ़ का एक दिन- नाटक	15
	3.मोहन राकेश की पाँच कहानियाँ- 1.मलबे का मालिक 2.उसकी रोटी 3.एक और ज़िंदगी 4.परमात्मा का कुत्ता 5.मवाली	10

	4.मोहन राकेश के पाँच निबंध- 1.हिंदी कथा साहित्यः नवीन प्रवृत्तियाँ-1 2.हिंदी कथा-साहित्यः नवीन प्रवृत्तियाँ-2 3.कहानी क्यों लिखता हूँ? 4.नाटककार और रंगमंच 5.हिंदी रंगमंच	10
	5. मोहन राकेश , आख़िरी चट्टान तक - यात्रा वृत्तांत	15
Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति, नाट्य अभिनय आदि।	
Text आधार ग्रंथ	1. मोहन राकेश : 'आषाढ़ का एक दिन', राजपाल एण्ड सन्ज़, दिल्ली,सं. 1998 2. मोहन राकेश : प्रतिनिधि कहानियाँ, राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, सं.2016 3. रवींद्र कालिया (सं)मोहन राकेश संचयन, हिंदी समय डॉट कॉम 4. मोहन राकेश : आख़िरी चट्टान तक,भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, सं. 2010	
References/ Readings (संदर्भ ग्रंथ)	1. गोपाल राय : हिन्दी कहानी का इतिहास – भाग 1, भाग 2, राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, सं.2011 2. डॉ. वेदप्रकाश अमिताभ : हिन्दी कहानी के सौ वर्ष, मधुबन प्रकाशन, मथुरा, 1988 3. जयदेव तनेजा : राकेश और परिवेश : पत्रों	

	में, राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली,सं. 1995 4. डॉ. सी. विश्वनाथन : मोहन राकेश की रचनाओं में आधुनिक भावबोध, माया प्रकाशन, कानपुर,सं. 2013 5. गोविन्द चातक : आधुनिक हिन्दी नाटक का अग्रदूत मोहन राकेश, राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, सं.2003 6. गिरीश रस्तोगी : मोहन राकेश और उनके नाटक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं.2015 7. अनीता राकेश : चन्द सतरें और, राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, सं.1993 8. विश्वमोहन तिवारीः हिंदी का यात्रा-साहित्य, आलेख प्रकाशन, दिल्ली, सं.2004	
learning outcome अधिगम परिणाम	छात्र मोहन राकेश के साहित्य का अध्ययन करते हुए उसे युगीन परिवेश से जोड़कर विश्लेषित कर सकेंगे।	